

आज

बेबाक

टैरिस्तान इस दिनों टेंशनोस्तान बन गया है। इमरान खान हैरान और परेशान है कि आखिर हिन्दुस्तान में हो क्या रहा है? पाक की हर नापाक साजिश नाकाम हो रही है। उसकी लाख कोशिशों के बाद भी जम्मू कश्मीर से धारा 34-ए और अनुच्छेद 370 खत्म होने के बावजूद कश्मीर में अमल कायम है। सीमा पर संघर्ष विराम के उल्लंघन का विश्व कीर्तिमान बनाने के बावजूद उसकी दाल नहीं गल रही है। उल्टे आतकिस्तान में गृह युद्ध के हालात पैदा हो गए हैं। उसके टेंशन का कारण ये है कि भारत अब पीओके में तिरंगा न लहरा दें। क्योंकि हिन्दुस्तान का जोश हाई है।

खास खबर

न्यायमूर्ति अमरेश्वर प्रताप शाही बने मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

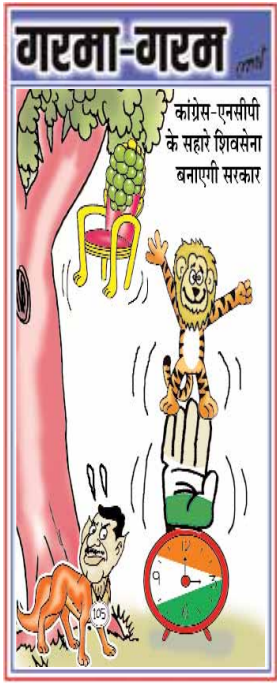
चेन्नई । न्यायमूर्ति अमरेश्वर प्रताप शाही ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति शाही को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। सीएम ईके पलानीस्वामी, मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विनोत कोखरी, न्यायाधीश, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधानसभा अध्यक्ष पी धनपाल, मुख्य सचिव के षण्मुगम और वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बांदीपोरा में मुठभेड़, दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सोमवार को चेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यूनोवातां को बताया कि बांदीपोरा के लावदारा में आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने रविवार देर रात संयुक्त अभियान चलाया।

डीएसपी बघेल का आदेश निरस्त

रायपुर (नवप्रदेश)। बीजापुर में स्थानांतरित किए गए डीएसपी पुषेन्द्र बघेल का आदेश संशोधित हो गया है। पुषेन्द्र बघेल को रायगढ़ ट्रेफिक डीएसपी के पद पर भेजा गया है। गृह विभाग ने पुषेन्द्र सिंह बघेल का सिंगल ऑर्डर अब से कुछ देर पहले जारी किया है। पुषेन्द्र इसके पहले अंबिकापुर और कोरबा में पदस्थ रह चुके हैं।



भारत को जागृत किया गुरु नानक देव जी ने – कमल नाथ

भोपाल (नवप्रदेश)। गुरु नानक देव जी मानवता में विश्वास रखने वालों और निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा में समर्पित लोगों के लिए अनन्य प्रेरणा-स्रोत रहे हैं। हम इस महान संत की 550 वीं जयंती मनाते हुए आध्यात्मिक रूप से स्वयं को धन्य समझते हैं। नानक शाह फकीर जी की शिक्षाएं आज और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गई हैं क्योंकि मनुष्य स्वर्चित दुष्टों का सामना कर रहा है। सामाजिक, सांस्कृतिक



एकता की भावना को खतरों का सामना करना पड़ रहा है और मानवीय मूल्यों में मनुष्य का विश्वास

बुरी तरह डगमगा गया है। वर्षों पहले गुरुनानक देव जी ने इस तरह की स्थितियों की चेतावनी दी थी और सुधारवादी कदम भी सुझाए थे। भारत के गौरवान्वित नागरिकों के रूप में हम गुरु नानक देव जी को अपने मार्गदर्शक और दार्शनिक के रूप में पाकर खुद को भाग्यशाली मानते हैं। आज, जब दुनिया में सांस्कृतिक विविधता के लिए नापाक ताकतों और कड़पंथी सोच ने खतरे पैदा किये हैं, हम अपने

मार्गदर्शक के रूप में गुरु नानक देव जी की बानी पाकर धन्य हैं। वे सिर्फ सिख समुदाय के गुरु नहीं हैं। वे मानवता के महान आध्यात्मिक शिक्षक हैं क्योंकि वे मन और हृदय के विकारों से मुक्ति पर जोर देते हैं। गुरु नानक देव जी सामाजिक-धार्मिक और सांस्कृतिक सद्भाव के प्रतीक हैं। गुरु नानक देव जी और भाई मरदाना का साथ एक अनूठ उदाहरण है। यह सांस्कृतिक एकता को रेखांकित करता है।

उन्होंने निरंकार की महिमा का गायन करते हुए दो दशकों तक एक साथ आध्यात्मिक यात्रा की। गुरुनानक देव जी गाते थे और भाई मरदाना उनके साथ रबाब पर संगत करते थे। यहाँ तक कि उन्होंने इसे छह-तार वाला यंत्र बनाकर इसमें सुधार किया। उनका जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। संगीत का उनका ज्ञान श्री गुरु ग्रंथ साहिब में स्पष्ट झलकता है। उसे विभिन्न रागों में निबद्ध किया गया है। भाई मरदाना का उल्लेख श्री गुरु ग्रंथ साहिब में भी है। भाई गुरुदास जी ने लिखा है – इक बाबा अकाल रूप दूजा रखावी मरदाना। दुनिया को यह जानने की जरूरत है कि – आदि सच,

जुगादि सच, है भी सच, नानक होसी भी सच। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि ईश्वर एक परम सत्य, सर्वव्यापी है। सिवाय उसके कुछ भी वास्तविक नहीं है। वह सर्वकालिक है। अनन्त था अनन्त रहेगा। ज्ञान के ऐसे शब्दों से गुरु नानक देव जी ने भारत के लोगों को जागृत किया। उर्दू के दार्शनिक कवि अल्लामा इकबाल ने कहा है फिर उठी आखिर सदा तौहीद की पंजाब से, हिंद को एक मर्द-ए-कामिल ने जगाया ख्वाब से गुरु नानक देव जी और भाई मरदाना ने कीर्तन की परंपरा शुरू की, जो आध्यात्मिक जागृति का माध्यम साबित हुई है।

मुस्लिम परिवार में जन्मे थे

महाराष्ट्र में फंसा सत्ता का पेंच

मुंबई (नवप्रदेश)। महाराष्ट्र में शिवसेना ने सोमवार की शाम को राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने की इच्छा व्यक्त की है। राज्यपाल से मिलने के बाद शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे व विधायक आदित्य ठाकरे ने बताया कि रविवार को राज्यपाल ने शिवसेना को सेकंड लॉजेंस्ट पार्टी होने के नाते सरकार बनाने का न्योता दिया था। इसकी अंतिम सीमा सोमवार शाम 7:30 बजे तक की थी। आदित्य ने बताया कि इसके मुताबिक हम 7:30 बजे से पहले राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने की अपनी इच्छा संबंधी दावा पेश किया। हमने शिवसेना विधायकों के समर्थन का पत्र राज्यपाल को सौंप दिया है। अभी कांग्रेस व एनसीपी के

शिवसेना ने राज्यपाल से मिलकर जताई सरकार बनाने की इच्छा, मांगा 48 घंटे का समय

राज्यपाल का पहले इंकार फिर दिया समय खारिज नहीं हुआ हमारा दावा : आदित्य

कांग्रेस नेता खड़गे बोले-अभी चल रही है पार्टी की बैठक, कल लिया जाएगा फैसला

दिनभर चला घटनाक्रम

ये हो सकता है आगे

अब राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी तीसरी व चौथी सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते एनसीपी व कांग्रेस को भी सरकार बनाने का न्योता दे सकते हैं।

यदि कांग्रेस ने शिवसेना को समर्थन नहीं दिया तो राष्ट्रपति शासन भी लग सकता है।



समर्थन का पत्र प्राप्त होने को है। जिसके मद्देनजर हमने राज्यपाल से 48 घंटे का समय मांगा। हमने मांग

की थी कि साथी दलों की जो प्रक्रिया है उसे पूरा करने के लिए समय दिया जाए। हमें महाराष्ट्र में

स्थिर सरकार चाहिए। वहीं राज्यपाल ने पहले इंकार के बाद 24 घंटे का वक्त दिया।

उद्धव ठाकरे और शरद पवार की होटल में बैठक हुई।

शाम होते ही खबर भी आई कि सोनिया गांधी ने सरकार बनाने शिवसेना को समर्थन दे दिया है। कांग्रेस एनसीपी-शिवसेना की सरकार को बाहर से समर्थन देगी।

एनसीपी ने भी शिवसेना को समर्थन दे दिया है।

आदित्य ठाकरे कुछ शिवसेना नेताओं के साथ राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलने पहुंचे।



जेएनयू में फीस बढ़ोतरी पर छात्रों का भारी हंगामा

नई दिल्ली ए। फीस में बढ़ोतरी समेत कई मुद्दों को लेकर बोले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के छात्र अब दिल्ली की सड़कों पर उतर आए हैं। एक तरफ यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ यूनिवर्सिटी के हजारों छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में

एबीवीपी, आईसा, एआईएसएफ और एसएफआई समेत सभी छात्र संगठन हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़पें और धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। कई मौकों पर स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को छात्रों भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल भी करना पड़ा।

सितंबर में औद्योगिक उत्पादन में 4.3% की गिरावट

मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की लड़खड़ाहट जारी

नई दिल्ली । औद्योगिक उत्पादन में गिरावट का सिलसिला जारी है। सितंबर महीने में औद्योगिक उत्पादन में पिछले साल सितंबर की तुलना में 4.3 प्रतिशत गिरावट आई है। सोमवार को जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन की वजह से औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई है। पिछले साल सितंबर में फेक्ट्री आउटपुट में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

सितंबर में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई है जबकि पिछले साल सितंबर में इसमें 4.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। सितंबर में पावर सेक्टर में भी 2.6 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले साल समान अवधि में इसमें 8.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई थी। सितंबर में माइनिंग सेक्टर में भी 8.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले साल सितंबर में माइनिंग सेक्टर में 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

छत्तीसगढ़: दस माह में साढ़े पांच लाख लोगों को रोजगार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद माह जनवरी से अक्टूबर तक 10 माह में प्रदेश में 5 लाख 41 हजार 259 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया है। इनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख 10 हजार 117 लोगों को शासकीय सेवा के क्षेत्र में 20 हजार 502 लोगों को और उद्योगों में 10 हजार 640 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार द्वारा नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना प्रारंभ की गई है। जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच उद्यमिता के विकास के साथ रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिक लोगों को रोजगार दिलाने के लिए राज्य में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

व्यापक स्तर पर कम्प्यूटराईजेशन करें विश्वविद्यालय: राज्यपाल टंडन

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राज्यपाल लालजी टंडन ने विश्वविद्यालयों में कम्प्यूटराईजेशन के कार्य को व्यापक स्तर पर कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि डिजिटलाईजेशन समय की जरूरत है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार है। यदि समय रहते विश्वविद्यालयों ने इस दिशा में प्रयास नहीं किये, तो भविष्य में दिक्कत आएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित शिक्षा नीति में कम्प्यूटीकरण आवश्यक होगा।

श्री टंडन आज राजभवन में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य, सौविधान के दो प्राथमिक विषय हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा में हिन्दी को बढ़ावा देना जरूरी है। इजराइल जैसा देश, जिसकी भाषा की शब्दावली भी छोटी है, वहीं भी स्थानीय भाषा में तकनीकी शिक्षा दी जाती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में चिंतन और नवाचारों की आवश्यकता है।

सावंत ने केन्द्र सरकार से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली । महाराष्ट्र में सरकार के गठन को लेकर भाजपा से खींचतानी के बीच केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में शिवसेना के मंत्री अरविंद सावंत ने सोमवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। श्री सावंत ने अपने

केन्द्र सरकार में बना रहना नैतिक नहीं होगा। अतः उन्होंने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में शिवसेना के मंत्री अरविंद सावंत ने सोमवार को अपने पद से त्यागपत्र दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव पूर्व वादों से शिवसेना में एक फाटूले पर सहमति



काश, कोई मोदी को बताए ‘सब चंगा सी’ नहीं है: कांग्रेस

नयी दिल्ली, । कांग्रेस ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भारतीय अर्थव्यवस्था के चुनौती के दौर से गुजरने की बात स्वीकार करने पर खुशी जाहिर करते हुए सोमवार को तंज किया कि काश यही बात देश में ‘सब कुछ ठीक है’ कहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोई समझा पाता। कांग्रेस ने कहा कि वित्त मंत्री का यह बयान देखकर उसे अच्छा लगा कि अर्थव्यवस्था को लेकर देश के जो हालात हैं सरकार का ध्यान उस हकीकत की तरफ गया है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर आगे कहा, अब, कोई यही बात प्रधानमंत्री को समझा पाए तो शायद वह आने वाले दिनों में यह कहते हुए देश के नागरिकों को हताश नहीं करेंगे कि ‘सब चंगा सी’ का दावा कर देशवासियों को हताश करना बंद कर दें।

मुख्यमंत्री कमल नाथ ने 550वें प्रकाश पर्व पर दी नागरिकों को बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री कमल नाथ ने सिक्ख धर्म के संस्थापक संत गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। कमल नाथ ने शुभकामना संदेश में कहा कि संत गुरु नानक देव जी ने मानवता की सेवा करने का जो संदेश वर्षों पहले दिया था, उसका महत्व आज और ज्यादा बढ़ गया है। उन्होंने कहा था कि सभी मनुष्य समान हैं, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति, सम्प्रदाय में जन्मे हों। श्री कमल नाथ ने कहा कि आज इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक सौहार्द स्थापित करने की आवश्यकता है।

पुष्कर में संतों ने किया शाही स्नान

अजमेर । राजस्थान के अजमेर जिले में अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले के तहत चल रहे पंचतीर्थ महास्नान के चौथे दिन आज ब्रह्मा चतुर्दशी के मौके पर संतों, मठधीशों, साधु सन्यासियों तथा तीर्थपुरोहितों ने परंपरागत तरीके से शाही स्नान किया। यह उनका सत्रहवां शाही स्नान है। पुष्कर के विभिन्न मठों, मंदिरों एवं आश्रमों में ठहरे साधु सन्यासी सुबह सात बजे से रामरमेया आश्रम के महंत स्वामी प्रेमदास एवं सैनाचार्य अचलानंदाचार्य के नेतृत्व में एकत्रित होकर शोभायात्रा के रूप में पुष्कर सरोवर के सत्रर्द्ध घाट पहुंचे और सरोवर का पूजा अभिषेक कर शाही स्नान किया गया। सरोवर स्नान के बाद सभी ने रामधनुन होते हुए सरोवर की परिक्रमा लगाई।



माना जाता है कि आज के दिन स्वयं ब्रह्मा पुष्कर सरोवर में विद्यमान रहते हैं।

आरडीए के नए सीईओ भीम सिंह, चिप्स का अति. प्रभार मलिक को

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। आईएसएस भीम सिंह को रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं सीईओ प्रभात मलिक को चिप्स का अतिरिक्त प्रभार देने का आदेश आज राज्य शासन ने जारी कर दिया है। आईएसएस भीम सिंह को आरडीए का सीईओ के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा 2008 बैच के अफसर भीम सिंह वर्तमान में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल में बतौर आयुक्त पदस्थ हैं। जारी किये गए आदेश में रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अतिरिक्त प्रभार संचालक प्रभात मलिक को चिप्स का एडिशनल चार्ज सौंपा गया है। प्रभात मलिक चिप्स में अतिरिक्त

निर्णय बुंदेलखंड व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के विकासकर्ताओं के नाम पर लगी मुहर

कैबिनेट बैठक: यूपी सरकार ने 13 प्रस्तावों पर लगाई मुहर



लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी। सभी सदस्यों ने भी शांतिपूर्ण व्यवस्था के लिए सीएम को बधाई दी। यूपी कैबिनेट में 13 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस के निर्माण के लिये कंपनी का चयन कर लिया गया है।

- यूपी नगर पालिका नियमावली को मंजूरी। अभी तक नगर निगम सम्पत्ति उपविधि से ही नगर पालिका और नगर पंचायत में कर वसूला जाता था। अब इनकी अलग नियमावली होगी। एक महीने में ड्राफ्ट जारी होगा। आपतियां ली जाएंगी।
- मेरठ और सिंधीली में बन रहे 400 केवी ट्रांसमिशन के लिये 3 बिड आये। पॉवर ग्रिड की 115 करोड़ के प्रस्ताव के आधार पर काम दिया गया। अगस्त 2021 तक पूरा होगा।
- रामपुर और सम्भल में 765 और 400 केवी के ट्रांसमिशन लाइन का काम भी पॉवर ग्रिड को देने को मंजूरी। 2021 तक पूरा होगा। 13 जिले लाभान्वित होंगे। दोनों ही प्रोजेक्ट पीपीपी मॉडल पर होंगे।
- यूपी सरकारी सेवक नियमावली में बदलाव।

इन प्रस्तावों पर मुहर

- ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित अंबेडकर विशेष रोजगार योजना के मार्गदर्शी सिद्धांतों को मंजूरी। योजना का नाम अब बाबा साहेब अंबेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना होगा। अब टॉक्स फोर्स में कृषि उत्पादन आयुक्त की जगह ग्राम्य विकास आयुक्त होंगे।
- ई स्टाम्प नियमावली में बदलाव। लाइसेंस होल्डर स्टाम्प विक्रेता अब कलेक्शन सेंटर होंगे। पहले 15 हजार तक का स्टाम्प बेच सकते थे। अब यह सीमा हटा दी गई है।
- मदरसा आधुनिकीकरण योजना की नवीन गाइडलाइंस के अनुसार व्यय भार निर्धारण। प्रदेश में अस्त्रादित 7442 मदरसों को केंद्रांश 60ब और राज्यांश 40ब दिया जाएगा। अब

योजना का नाम स्कीम फॉर प्रोवाइडिंग एजुकेशन इन मदरसा कर दिया गया है। 213 करोड़ का भार पड़ेगा।

- अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के लिये राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 में संशोधन। अलीगढ़ के साथ ही एटा, कासगंज, व हाथरस इसके क्षेत्राधिकार में आयेगे।
- बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस के निर्माण के लिये निर्माण कर्ताओं का चयन।
- कृशीनगर में मैत्रेय ट्रस्ट के साथ विकास योजना के एमओयू को निरस्त किया गया। 2003 में हुए समझौते को 2014 में संशोधन किया गया। 195 एकड़ जमीन दी गई।

अयोध्या : कार्यशाला में फिर गुंजेंगे औजार, जोर पकड़ेगा मूर्तियां और पत्थर तराशने का काम

सुप्रीम कोर्ट ने विवादित जमीन राम जन्मभूमि न्यास को सौंपने का दिया था आदेश

कोर्ट के इस फैसले के बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो गया है

अयोध्या(ए.)। अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद रामनगरी में मंदिर निर्माण की तैयारियां तेज हो गई हैं। दो मंजिल के प्रस्तावित राम मंदिर की रूपरेखा पहले से तैयार हो चुकी है। पहली मंजिल का काम तत्करीबन पूरा बताया जा रहा है।



(वीएचपी) के मॉडल के मुताबिक, मंदिर बनने में 4-5 साल लगेगे। पुराने पत्थरों को साफ करने से नए पत्थर तराशने तक, काफी काम बचा है। वह बताते हैं कि भूतल का काम पूरा है। ऊपर की मंजिल के लिए काम करना होगा। वीएचपी के संगठन मंत्री त्रिलोकीनाथ पांडेय कहते हैं कि पत्थर भरतपुर की खदान से आने

का काम देख रहे अन्नू भाई सोमपुरा के दामाद रजनीकांत यहां काम कर रहे थे, लेकिन उनके निधन के बाद काम पूरी तरह ठप हो गया है। अन्नू भाई भी वापस अहमदाबाद चले गए हैं। एनबीटी से फोन पर हुई बातचीत में अन्नू कहते हैं कि पहली मंजिल का काम पूरा है। 106 पिलर, छतें, नींव के पत्थर और उसके ऊपर लगाने वाले पत्थर तैयार हैं। पत्थरों को तराशे जाने का काम काफी पहले से चल रहा था। लिहाजा तराशे गए तमाम पत्थरों पर काई जम गई है। अब इन्हें साफ करना होगा। इसके अलावा ऊपर की मंजिल के लिए भी काम करना होगा।

पांच हिस्सों में होगा प्रस्तावित राम मंदिर

अन्नू बताते हैं कि मंदिर को पांच हिस्सों में बांटकर तैयार किया जाएगा। पहला हिस्सा मंदिर का अग्रभाग होगा। फिर इसके दरवाजे होंगे, जिसे प्रस्तावित मॉडल में सिंहद्वार कहा गया है। इसके बाद दो मंडप होंगे। बाहर से भीतर की तरफ दाखिल होते हुए पहला नृत्य मंडप होगा, जबकि दूसरा रंगमंडप होगा। इसके बाद गर्भगृह होगा। त्रिलोकीनाथ पांडेय के मुताबिक नीचे समलला विराजमान होंगे जबकि ऊपर की मंजिल पर राम दरबार होगा। कार्यशाला में लगे शिलापट के मुताबिक, पहली मंजिल की ऊंचाई 18 फुट होगी जबकि दूसरी मंजिल की ऊंचाई 15 फुट 9 इंच होगी। इसके ऊपर 16 फुट 3 इंच की पेटी होगी और उसके ऊपर 65 फुट 3 इंच के आकार का शिखर होगा।

संघ के 100वें स्थापना दिवस पर मंदिर की मंशा

त्रिलोकीनाथ पांडेय कहते हैं कि हमारी दिली इच्छा रही है कि 1925 में स्थापित संघ 2025 में सौ साल का हो जाएगा।

मंदिर के हर तल पर 106 पिलर

अन्नू भाई सोमपुरा के सहयोगी हनुमान यादव के मुताबिक, दोनों तल के पिलरों की संख्या और आकार बराबर रखे गए हैं। दोनों तल पर 106-106 पिलर होंगे। हर पिलर की ऊंचाई 14 फुट छह इंच रखी गई है। वह बताते हैं कि पिलर में चारों दिशा में अलग-अलग मूर्तियां भी लगेगी। जब एक पिलर तैयार हो जाएगा तो उसमें 16 मूर्तियां दिखाई देंगी। हर मूर्ति को मंदिर बनते समय ही तराशा जाएगा, क्योंकि लगाते समय टूट सकती है।

अखलाक हत्याकांड के आरोपी पर कैची से हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

ग्रेटर नोएडा। बिसाहड़ा गांव में रविवार को कुछ लोगों ने अखलाक हत्याकांड के आरोपी पर कैची से हमला कर दिया। गंभीर हालत में पीड़ित युवक विशाल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि आरोपी कैची और लाठी-डंडों से उसे पीटते रहे, लेकिन बचाने के लिए कोई आगे नहीं आया। बिसाहड़ा गांव में शनिवार रात विकी और विशाल के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उस वक मामला शांत करा दिया। विकी सीमेंट की चादर बनाने वाली कंपनी के प्रबंधक की हत्या में जेल में बंद था और हाल ही में जमानत पर छूटा था। आरोप है कि रविवार सुबह करीब 6 बजे विशाल दादरी से गांव की तरफ आ रहा था। इसी बीच रास्ते में विकी समेत 3 युवकों ने उसे राणा संग्राम सिंह इंटर कॉलेज के पास रोककर हमला किया।

तखीमपुर में दूल्हे को नागिन डांस करना पड़ा महंगा, दुल्हन ने लिया 'तलाक'

बरेली। उत्तर भारत की शादियों में नागिन डांस खूब सुर्खियां बटोरती है, हालांकि यही डांस एक नवविवाहित दूल्हे के लिए तलाक का सबब बन गया। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी इलाके में शुक्रवार को एक दुल्हन ने स्टेज पर शादी की माला पहनाने के तुरंत बाद तलाक ले लिया। दरअसल, दूल्हा शादी के तत्काल बाद शराब के नशे में नागिन डांस करने लगा और यह दुल्हन को रास नहीं आया। दुल्हन ने दूल्हे के सभी अस्मानों पर पानी फेरते हुए तत्काल अलग होने का फैसला कर लिया। बताया जा रहा है कि शादी से मना करने पर गुस्साए दूल्हे ने दुल्हन को थपड़ भी मार दिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि लड़के के परिवार के शादी में दिए गए सभी गिफ्ट लौटा देने पर दोनों परिवारों ने पुलिस में औपचारिक शिकायत नहीं दर्ज कराने का फैसला किया। लड़की ने आईटीआई से डिप्लोमा कोर्स किया है जबकि लड़के ने पढ़ाई छोड़ दी है।

सिपाही को टॉइलट में बंद कर भागी महिला आरोपी, तलाश में खाक छान रही दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस इन दिनों एक महिला की खोज करने में जुटी है, जो उसकी एक सिपाही को टॉइलट में बंद कर भाग निकली। पड़ोसी से मारपीट करने और घर में जबर्न घुसने के आरोप में अरेस्ट की गई महिला विमला को दिल्ली पुलिस की सिपाही कोमल मेडिकल टेस्ट के लिए ले गई थी, जिस दौरान उसने टॉइलट जाने की बात कही। कोमल आरोपी विमला को टॉइलट लेकर गई तो वहां पहले से दो लड़के खड़े थे। वहां पहुंचते ही महिला और अन्य दो युवकों ने कॉन्स्टेबल कोमल को टॉइल में बंद कर दिया और फोन भी फेंक दिया। इसके बाद आरोपी महिला अपने दोनों साथियों के साथ भाग निकली।

संजय राउत की तबीयत बिगड़ी, हॉस्पिटल में भर्ती

महाराष्ट्र में सियासी झुमे के बीच संजय को सीने में दर्द की वजह से लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया

महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी की सरकार कांग्रेस के बाहरी सपोर्ट से बन सकती है



मुंबई(वार्ता)। महाराष्ट्र में चरम पर पहुंच चुके सियासी झुमे के बीच शिवसेना के नेता संजय राउत की तबीयत सोमवार को अचानक से खराब हो गई है। शिवसेना के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस

के सहयोग से सरकार बनाने की संभावनाओं के बीच राउत को सीने में दर्द की शिकायत की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिवसेना के सीनियर नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को सीने में अचानक से दर्द होने तबीयत बिगड़ने

की वजह से लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डॉक्टर जलील पारकर ने बताया, 'राउत दो दिनों पहले रुटीन चेकअप के लिए हॉस्पिटल आए थे। कुछ चेकअप के बाद ईसीजी भी हुआ था। अन्य टेस्ट के लिए डॉक्टरों ने उन्हें आज बुलाया था। उन्हें कल डिस्चार्ज किए जाने की संभावना है।'

इस बीच सूत्रों के मुताबिक आज शाम होने वाली कांग्रेस की बैठक में एनसीपी भी शामिल हो सकती है। महाराष्ट्र के चुनाव में साथ मिलकर लड़े दोनों दल मिलकर शिवसेना के साथ सरकार बनाने पर चर्चा कर सकते हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के सियासी झुमे में सारी नजरें अब

कांग्रेस पर टिक गई हैं। शिवसेना और एनसीपी जाहिर कर चुके हैं कि वह सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। सोमवार दोपहर उद्भव और एनसीपी चीफ शरद पवार की मुंबई के होटल में बैठक भी हुई। अब कांग्रेस इस गठबंधन को समर्थन देगी या नहीं, इसका फैसला वह आज शाम कर सकती है।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र के अपने वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया है। आज होने वाली बैठक में कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र की सियासत पर फइनल फैसला लेगी। बीजेपी पहले ही अकेले दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होने का हवाला देते हुए दावेदारी से पीछे हट चुकी है।

छह महीने से हर रोज कपड़ों की इस दुकान में आती है गाय, लोग करने लगे पूजा

कडपा। आंध्र प्रदेश के कडपा जिले के मैदुकुर कस्बे में पिछले छह महीनों से एक गाय की अनोखी आदत चर्चा की वजह बनी हुई है। यह गाय हर रोज कुछ घंटों के लिए स्थानीय बाजार में स्थित कपड़ों की एक दुकान में आराम करने आती है। 'श्री साईराम क्लॉथ शोरूम' नाम की इस दुकान के मालिक भी इस गाय को अपने बिजनेस के लिए शुभ मानने लगे हैं।



कहना है, 'इस बार गर्मियों के मौसम में एक दिन अचानक यह गाय दुकान में घुस आई और पंखे के नीचे बैठ गई। इसके बाद वह दो-तीन घंटे आराम करने के बाद ही यहां से निकली। शुरू में तो गाय को इस तरह दुकान में घुसते देखकर हम

दुकान में कभी गंदगी नहीं की

तब से हर रोज दुकान में आराम करने के लिए आना इस गाय की आदत में शामिल हो गया है। दुकान के मालिक कहते हैं, 'हमारी दुकान में आना अब इसकी आदत बन गई है। शुरू में तो हमें लगा कि इससे हमारे धंधे पर असर पड़ेगा लेकिन असल में हमारा बिजनेस पहले से बेहतर हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस गाय ने दुकान के अंदर कभी गंदगी नहीं की है।'

हैरान हो गए। हमने उसे भगाने की कोशिश की लेकिन उस पर कोई असर नहीं हुआ। फिर कुछ घंटे आराम करने के बाद गाय अपने-आप चली गई।' दुकान मालिक की पत्नी करती

तेजस्वी ने प्लेन में मनाया जन्मदिन जेडीयू बोली-पिताजी जेल में बेटा चार्टर्ड प्लेन में



पटना(ए.)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव के चार्टर्ड प्लेन में अपना जन्मदिन मनाने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। इन तस्वीरों में तेजस्वी प्लेन के अंदर बर्थडे केक काटते नजर आ रहे हैं। इस बीच जेडीयू ने आरजेडी नेता पर तीखा हमला बोला है। जेडीयू नेता डॉक्टर अजय आलोक ने कहा कि समाजवाद अब परिवारवाद के रास्ते भौतिकवाद बन गया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को अपने भाई तेज प्रताप को भी साथ रखना चाहिए था।

इस शाही पार्टी की इन वायरल हुई तस्वीरों में तेजस्वी के साथ उनके करीबी संजय यादव और मणि यादव भी दिख रहे हैं, तो साथ ही विमान में तेजस्वी के साथ लालू प्रसाद के विश्वासपात्र भोला यादव भी हैं। एक तस्वीर में तेजस्वी केक काटते नजर आ रहे हैं, जबकि अन्य तस्वीरों में कुछ खाते नजर आ रहे हैं। विमान में तेजस्वी के जन्मदिन मनाने की तस्वीरें कहाँ और कब की हैं, इसकी पुष्टि कोई नहीं कर रहा है, परंतु इसे लेकर बिहार की सियासत गरम हो गई है।

काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेनों की टक्कर, 1 की मौत, 20 जखमी



हैदराबाद(ए.)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में ट्रेन हादसे की खबर है। सोमवार को यहां के काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन दो ट्रेनों की टक्कर हो गई। हादसे में एक यात्री की मौत होने की खबर है, वहीं कई लोग जखमी बताए जा रहे हैं। वरिष्ठ रेल अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। बताया जा रहा है कि दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर लिंगमपल्ली-फलकनुमा और कुरनूल

सिटी-सिकंदराबाद हुंडरी एक्सप्रेस के बीच टक्कर हो गई। दोनों ट्रेनों की टक्कर में लिंगमपल्ली-फलकनुमा के 3 और हुंडरी एक्सप्रेस के 4 कोच पटरी से उतर गए। हमारे सहयोगी टाइम्स नाउ के मुताबिक इस हादसे में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भेजा गया है। काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन हैदराबाद शहर के अंदर ही स्थित है। यहां से होकर कई प्रमुख ट्रेनें गुजरती हैं। हादसे के बाद कई ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया

राजनीति

अलग हो सकती हैं बीजेपी और शिवसेना की राहें, जानें- कैसे बिगड़ती गई बात और 1989 से अब तक कैसा रहा दोनों का सफ़र

30 साल का साथ और यू दूर हो गए हिंदुत्व के साथी

मुंबई (ए.)। देश की दक्षिणपंथी राजनीति में लंबे समय से एक-दूसरे के पूरक की तरह काम करने वाली बीजेपी और शिवसेना की राहें अब अलग होने को हैं। महाराष्ट्र के सीएम पद पर अड़ी शिवसेना के नेता संजय राउत ने सोमवार की सुबह जब टवीट किया कि रास्ते की परवाह करूंगा तो मंजिल बुरा मान जाएगी...। तो साफ था कि पार्टी अब सत्ता की मंजिल के लिए बीजेपी की राह छोड़ सकती है। इसके अलावा दूसरा संकेत शिवसेना नेता अरविंद सावंत की ओर से केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ना था। 1989 में बीजेपी के साथ गठबंधन कर 30 साल से आक्रामक हिंदुवादी राजनीति करने वाली शिवसेना का महाराष्ट्र में सरकार गठन के लिए कांग्रेस-एनसीपी के साथ जाना बीते कई



दशकों में सियासत की सबसे बड़ी उलटवासी कहा जा सकता है। शिवसेना यूं तो 2014 में भी अलग होकर चुनाव में उतरी थी, लेकिन चुनाव बाद वह बीजेपी के साथ ही आ गई थी। एक तरफ बाबरी मस्जिद विध्वंस पर गर्व करने वाली शिवसेना और दूसरी तरफ सेक्स्युलरिज्म की झंडाबंदार कांग्रेस-एनसीपी का साथ कितने चलेगा, यह भविष्य के गर्भ में है।

आइए जानते हैं बीजेपी और शिवसेना का कैसा रहा अब तक का सफ़र और कैसे बनती गई दूरी... 1980 में शिवसेना ने दिया था कांग्रेस को समर्थन चुनाव से पहले 50-50 फॉर्म्युले पर सहमति का दावा करने वाली शिवसेना ने बीजेपी पर धोखा देने का आरोप लगाकर राह

आडवाणी युग में भी बीजेपी पर हावी रही शिवसेना

फ़िर 2004 में भी बीजेपी और शिवसेना ने बराबर सीटों पर ही चुनाव लड़ा, लेकिन 2009 में पलड़ा बीजेपी की ओर थोड़ा और झुका। अब बीजेपी के खाते में 119 सीटें आईं और शिवसेना ने 169 अपने कोटे में रखीं। मले ही बीजेपी के मुकाबले शिवसेना कुछ कमजोर हो चली थी, लेकिन आडवाणी की छाया वाली बीजेपी से उसे कोई चुनौती नहीं थी। कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में वह निर्विवाद रूप से शिवसेना की छाया में थी, जिसे बाल ठाकरे तंज में 'कमलाबाई' भी कहते थे।

अलग की है। लेकिन, 1989 में बीजेपी से गठबंधन करने से पहले भी शिवसेना अप्रत्याशित तौर पर कांग्रेस के साथ रह चुकी है। 1975 में इंदिरा गांधी की ओर से लगाए आपातकाल का समर्थन करने वाली शिवसेना ने 1980 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को समर्थन भी दिया था। 1989 में आई बीजेपी संग, बनी सीनियर पार्टनर शिवसेना ने 1989 में बीजेपी के

मोदी-शाह का दौर और बेकफुट पर जाती रही शिवसेना

फ़िर 2014 का दौर आया। 2013 में नरेंद्र मोदी को पीएम कैडिडेट घोषित करने के बाद बीजेपी आक्रामक अभियान चला रही थी। देश भर की तरह महाराष्ट्र में भी बीजेपी को खासा समर्थन मिला। सूबे की 48 में से 23 सीटें बीजेपी के खाते में आईं, जबकि शिवसेना की 18 पर जीत मिली। यह पहला मौका था, जब बीजेपी ने महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों के मामले में शिवसेना पर बहुत बनाई।

हुआ फॉर्म्युला 1995 के विधानसभा चुनाव में भी जारी रहा। हालांकि इसमें 1999 में बदलाव आया, जब बीजेपी के हाथ 117 सीटें मिलीं और शिवसेना ने अपने कोटे में मामूली कमी करते हुए 171 सीटों पर सहमति जताई थी। इसकी एक वजह अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में बीजेपी की मजबूत पकड़ थी। यही वजह दौर था, जब बीजेपी ने शिवसेना के मुकाबले अपने स्ट्रॉक रेट को

2014 में अलग लड़ी शिवसेना और लगा झटका

लोकसभा चुनाव के बाद अवदूर, 2014 विधानसभा चुनावों की जब बाढ़ी आई तो शिवसेना पहले जैसे समझौते पर तैयार नहीं थी। सीटों पर बात नहीं बनी और दोनों दल अलग होकर लड़े। इसमें भी झटका शिवसेना को ही लगा। बीजेपी 122 सीटों पर जीती और शिवसेना को महज 62 सीटें ही मिल सकीं। शुरुआती मोलभाव के बाद आखिर में शिवसेना को बीजेपी संग सरकार बनानी पड़ी, वजह यही थी कि बीजेपी सरकार बनाने के करीब नंबर अपने दम पर लेकर आई थी।

चुनाव आया। तमाम समीकरण थे और अटकलें थीं, लेकिन मोदी लहर 2014 से भी तेज थी।

पूरे प्रदेश में स्कूल-कॉलेज और बाजार खुलें, हर जगह पहले जैसी रौनक

धारा 144 भी वापस ले ली गई है, स्थानीय परिस्थितियों को देख जिले के कलेक्टर स्वविवेक से धारा 144 लगाने के फैसले को आगे बढ़ाएंगे

फेसबुक, ट्वीटर और वाट्सएप पर आपत्तिजनक पोस्ट व कमेंट के मामले में पुलिस-प्रशासन ने बड़ी सख्ती की है

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश में आज से स्कूल-कॉलेज, बाजार के साथ ही शराब की दुकानें भी खुल गई हैं। दो दिन से बाजारों से गायब हुई रौनक फिर से कायम हो गई है। प्रशासन द्वारा लगाई गई धारा 144 वापस ले ली गई है। हालांकि ये कई जिलों में अभी भी प्रभावी है। इंटरनेट सेवा भी बहाल कर दिया गया है। सीएम कमलनाथ ने मुख्य सचिव



एसआर मोहंती और डीजीपी वीके सिंह के साथ चर्चा के बाद यह निर्णय लिया। मोहंती ने बताया कि प्रदेश से धारा 144 भी वापस ले ली गई है। स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर जिले के कलेक्टर स्वविवेक से धारा 144 लगाने के फैसले को आगे बढ़ाएंगे। प्रदेश में जनजीवन सामान्य होने

के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था के पुलिसबाल पूरे प्रदेश में मुस्तेदी से तैनात है।

10 जिले निगरानी में, वाट्सएप रूपा पर भी नजर

खंडवा में दो दिन से इंटरनेट सेवा

प्रशासन के निर्देश पर बंद की गई। सोमवार को हालातों का अध्ययन करने के बाद इसे बहाल किया जाएगा। देवास में रविवार को इंटरनेट बंद कर दिया। फेसबुक, ट्वीटर और वाट्सएप पर आपत्तिजनक पोस्ट व कमेंट के मामले में पुलिस-प्रशासन ने बड़ी सख्ती की है। भोपाल में 25 लोगों समेत प्रदेश भर में ढाई सौ लोगों पर कार्रवाई की है। इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। राज्य सरकार लगातार वाट्सएप और फेसबुक की मॉनिटरिंग कर रही है। प्रदेश में पांच हजार वाट्सएप रूपां पर नजर रखी जा रही है।

टीकमगढ़ में भाजपा नेता समेत 30 लोगों पर कार्रवाई

टीकमगढ़ की खरगापुर तहसील में धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में भाजपा नेता बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ बेबी राजा के सहित 30 अन्य लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज

किया है। खरगापुर में बिना परमिशन के जलबिहार महोत्सव की प्रभात फेरी गाजे-बाजे के साथ निकाली जा रही थी। उधर, बेबी राजा का कहना कि वह लोगों के बुलाने पर इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने गए थे। धारा 144 का उल्लंघन करना मकसद नहीं था। पुलिस जबरन इस मामले में मुझे फंसा रही है।

शिवराज सिंह भी रहे मुस्तेद

अयोध्या का फैसला आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कई कलेक्टर-कमिश्नर के साथ पुलिस के प्रमुख अधिकारियों से बात की। उन्हें भरोसा दिलाया कि जहां भी जरूरत हो, वे तैयार हैं। शिवराज सिंह ने भोपाल में शहर काजी के साथ भाजपा के प्रमुख नेताओं और विचारधारा से जुड़ी संस्थाओं के प्रमुखों से बात की। सभी को ताकौद की कि अयोध्या फैसले को लेकर किसी भी तरह का उन्मादी प्रदर्शन न करें।

चार्टर्ड बाइक के कई स्टैंड सूने, नहीं रखी जा रही साइकिलें

बीसीएलएल के बाद स्मार्ट सिटी संभाल रही बाइक शेयरिंग प्रोजेक्ट

कंपनी का दावा-अयोध्या फैसले के मद्देनजर हटाई गई थी साइकिलें, दोबारा जल्द रखेंगे

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट पॉलिसी के तहत शहर में वाहनों का दबाव कम करने और लो फ्लोर-मेट्रो सेवा से नागरिकों को जोड़ने के लिए शुरू की गई बाइक शेयरिंग स्कीम का रूझान पहले से कम हो गया है। चार्टर्ड बाइक का दावा है कि शहर में 100 स्थानों पर 500 बाइक प्रतिदिन लोगों की सुविधा के लिए खड़ी की जाती है लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि अनेक स्टैंड पर कई दिनों तक साइकल उपलब्ध नहीं रहतीं।

ऐसे भी अनेक स्थान हैं जहां 6 साइकल खड़ी करने की क्षमता पर एक या दो साइकल खड़ी की जा रही हैं। स्मार्ट सिटी कंपनी का दावा है कि साइकलों की मॉनीटरिंग जीपीएस आधारित सिस्टम के जरिए नियमित रूप से की जाती है। कंपनी के अनुसार अयोध्या फैसले के मद्देनजर शहर में दो रोज से अधिकांश स्टैंड से साइकिलों को हटा लिया गया था। ऐसा संभावित उपखंड की स्थिति में नुकसान नियंत्रित करने के कारण किया गया था। कंपनी के मुताबिक जल्द ही स्टैंड पर दोबारा सभी साइकिलें खड़ी करावा दी जाएंगी। साइकिलों का समुचित मेंटेनेंस भी नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। जब वे साइकल रिटर्न करने जाते हैं तो रिटर्न नहीं होती। आधे-आधे घंटे तक वेट ही करना होता है। इसके बाद कॉल हॉटलाइन का ऑप्शन आना शुरू हो जाता है।

अप्रैल में मध्यप्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा में बढ़ेगी एक सीट ?

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगले साल अप्रैल में राज्यसभा की रिक्त हो रही तीन सीटों पर चुनाव में भाजपा को एक सीट का नुकसान होने की आशंका बन रही है, जबकि कांग्रेस को एक सीट का फायदा हो सकता है। संख्या के नजरिए से विधानसभा के मौजूदा परिदृश्य में चुनाव होने की स्थिति में दो सीटों के लिए आवश्यक मतों के बराबर कांग्रेस सरकार के पास विधायकों का समर्थन है। छह अन्य विधायक भी अभी सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं। कांग्रेस को मिलने वाली दो सीटों के लिए अभी मौजूदा राज्यसभा सदस्य पूर्व मुख्यमंत्री



दिग्विजय सिंह सहित अन्य दिग्गज नेताओं के नाम दावेदारों के तौर पर उभरने लगे हैं। मप्र से राज्यसभा के 11 सदस्य हैं। इनमें कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, भाजपा

के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा व पूर्व केन्द्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया का कार्यकाल नौ अप्रैल 2019 तक है। रिक्त होने वाली तीन सीटों में से कांग्रेस और भाजपा के एक-एक

प्रत्याशी की जीत की संभावना सौ फीसदी है, जबकि तीसरे सदस्य के मामले में हाल फिलहाल कांग्रेस का पलड़ा भारी है। निर्वाचन के लिए कम से कम 58 विधायकों के वोटों की जरूरत है। यानी कांग्रेस और भाजपा अपने एक-एक उम्मीदवार को राज्यसभा में आसानी से पहुंचाने की हैसियत रखते हैं। तीसरे प्रत्याशी के रूप में कांग्रेस की राह भाजपा के मुकाबले आसान है। भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए जीत का आंकड़ा नहीं होने के बाद चुनाव करवाया था। ऐसी परिस्थिति फिर बनने पर तीसरे राज्यसभा सदस्य के लिए भाजपा प्रत्याशी उतारती है तो चुनाव होगा।

स्मार्ट सिटी टेंडर घोटाळा

300 करोड़ रुपए से जुड़े दस्तावेज दब रहे, नोटिस के बाद भी नहीं दे रहे जानकारी

भोपाल। मप्र के 7 शहरों की स्मार्ट सिटी के क्लाउड बेस्ड कॉमन इंटीग्रेटेड डाटा एंड डिजास्टर रिकवरी सेंटर एंड इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के 300 करोड़ रुपए के टेंडर के छिपाए जा रहे हैं। इस टेंडर से तत्कालीन आयुक्त व प्रमुख सचिव व नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग और केंद्र में प्रतिनिधुक्ति पर पदस्थ आईएएस अफसर विवेक अग्रवाल और उनका बेटा वैभव अग्रवाल जुड़े हैं। ईओडब्ल्यू ने 15 अक्टूबर में इस टेंडर में हुई आर्थिक गड़बड़ियों और टेंडर प्रक्रिया में अपनई गई अनियमितताओं को जांच में लिया है। इसके बाद ईओडब्ल्यू ने स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कारपोरेशन और नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग को नोटिस देकर टेंडर प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज मांगे थे, लेकिन

ईओडब्ल्यू को इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। गौरतलब है कि प्राथमिक जांच पंजीबद्ध करने के बाद ईओडब्ल्यू ने जिम्मेदारों और टेंडर प्रक्रिया में शामिल प्रबंधन को नोटिस देकर दस्तावेज मांगे थे। लेकिन अफसर, इसे बार-बार टाल रहे और कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। ईओडब्ल्यू के सूत्रों का कहना है कि गड़बड़ी पकड़ में आने के बाद दस्तावेज छिपाए जा रहे हैं और इस टेंडर से जुड़े सीनियर अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। दस्तावेज नहीं मिलने के कारण जांच की धीमी पड़ गई। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों का कहना है कि यदि समय पर दस्तावेज नहीं दिया जाता है तो वैधानिक प्रक्रिया अपनाकर छापा भी मारा जा सकता है। हालांकि ईओडब्ल्यू को उम्मीद है कि छापे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वीएचपी को उम्मीद, श्रीराम जन्मभूमि न्यास के डिजाइन के मुताबिक ही होगा मंदिर निर्माण

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए विश्व हिन्दू परिषद (वीएचपी) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु सदाशिव कोकजे ने उम्मीद जताई कि कानूनी आदेश पर बनने वाला ट्रस्ट रामजन्मभूमि न्यास के डिजाइन के मुताबिक भव्य मंदिर का निर्माण करेगा। उन्होंने बाद में गुजरात के अहमदाबाद में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें विश्वास है कि 2024 तक उस स्थान पर एक भव्य मंदिर का निर्माण हो जाएगा। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने शनिवार को फैसला दिया कि अयोध्या में रामजन्मभूमि से संबंधित स्थान पर मंदिर निर्माण से लिये तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट



गठित किया जाए। गौरतलब है कि वीएचपी ने राम मंदिर निर्माण कार्यशाला में 1990 में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए पत्थरों को तराशना शुरू किया था। राम जन्मभूमि न्यास विश्व हिन्दू परिषद के सदस्यों द्वारा स्थापित ट्रस्ट है। इस ट्रस्ट की स्थापना अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के उद्देश्य से 18 दिसंबर 1985 को की गई थी। कोकजे ने कहा, अयोध्या मामले में उच्चतम

आदेश पर सरकार द्वारा गठित किए जाने वाले ट्रस्ट की निगरानी में ही होने हैं। हालांकि, हम उम्मीद कर रहे हैं कि राम जन्मभूमि पर उसी डिजाइन के मुताबिक भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा, जो राम जन्मभूमि न्यास ने पहले से तैयार कर रखा है। इस डिजाइन को अपनाया जाना (प्रस्तावित) ट्रस्ट के लिए सुविधाजनक भी होगा। उन्होंने अहमदाबाद में संवाददाताओं से कहा, अब जैसा कि अदालत ने अपना फैसला दिया है, उसके अनुसार अयोध्या में उसी स्थान पर एक भव्य राममंदिर बन जाएगा। जिस तरह जमीन हासिल करना एक चुनौती थी उसी प्रकार मंदिर बनाना और उसे चलाना चुनौती होगी। यह भारत का एक महत्वपूर्ण तीर्थोत्सव स्थल होगा।

नियम जमीन की कीमत की 10 फीसदी राशि करनी होगी जमा, फिर शुरू होगी आवंटन प्रक्रिया

कांग्रेस को जिलों में कार्यालय के लिए मुफ्त में नहीं मिलेगी जमीन

तय नियम से होगा आवंटन

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। पंद्रह साल बाद सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी को जिलों में कार्यालय के लिए मुफ्त में जमीन नहीं मिलेगी। जिला इकाइयों को पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में राजनीतिक दलों को जमीन देने के लिए बनाए गए नियमों के हिसाब से जगह दी जाएगी, यानी जमीन की कीमत की 10 फीसदी राशि जमा करने के बाद ही भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रदेश कांग्रेस संगठन ने मुख्यमंत्री कमलनाथ से जिला कार्यालयों को



जमीन उपलब्ध कराने के बारे में चर्चा की थी, जिस पर उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों को जमीन आवंटन पूर्व में तय नियमों

के हिसाब से ही किया जाए। प्रदेश के 63 संगठनात्मक जिलों में कांग्रेस पार्टी के पास करीब एक दर्जन जिलों में ही उनके भवन हैं

या कार्यालय के लिए जमीन आवंटित की गई गई है। बकाया जिलों में पार्टी कार्यालय किए के भवनों में चल रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इन जिलों में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यालय के लिए भवन चाहती है, ताकि इन जिलों में पार्टी पदाधिकारी जरूरी बैठकें आयोजित कर संगठन को मजबूत कर सकें। मप्र के गठन के समय भोपाल में कांग्रेस का कार्यालय सैफिया कॉलेज में था। यहां से 1974 में मोती मस्जिद में आ गया। इस जगह के एवज में कांग्रेस को सरकार ने रोशनपुरा चौराहे पर जगह आवंटित की।

1977 में जगह का आवंटन निरस्त कर दिया गया। उस दौरान कांग्रेस के जेल भरो आंदोलन की वजह से जगह वापस कर दी गई। तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में जवाहर भवन का निर्माण हुआ। जिला कार्यालय के लिए हमीदिया रोड पर 5600 स्क्वायर फीट जमीन आवंटित की गई। इस पर भवन बनाए जाने का अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रहते स्व. अर्जुन सिंह ने भूमिपूजन भी कर दिया। बाद में यह जमीन विवादों में पड़ गई, पहले जिला और बाद में हाईकोर्ट से फैसला कांग्रेस के पक्ष में आया,

लेकिन वहां भवन नहीं बन पाया। हाल ही में यह जगह कांग्रेस ने धार्मिक संस्था को दान में दी है।

वर्मा को देवास व जैन को कटनी का जिम्मा

प्रदेश कांग्रेस ने जिला इकाइयों से दो माह पहले उनके भवन न होने की स्थिति में कार्यालय के लिए जगह आवंटन किए जाने की जानकारी मांगी थी। फिलहाल देवास जिले में भवन बनाए जाने की जिम्मेदारी मंत्री सज्जन सिंह वर्मा व कटनी में जिला अध्यक्ष मिथलेश जैन को सौंपी है।

चंद्रशेखर आजाद के कारण बीजेपी –कांग्रेस में घमासान

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के स्थान पर पूर्व मुख्यमंत्री स्व अर्जुन सिंह की प्रतिमा लगाने के मामले में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं. इस मामले में भोपाल मेयर आलोक शर्मा ने नगर निगम कमिश्नर विजय दत्ता पर भी कांग्रेस के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है. उनका कह मेयर का कहना है कि तीन साल पहले चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा को सड़क चौड़ीकरण का हवाला देकर पास में ही शिफ्ट किया था, लेकिन अब महापुरुषों के स्थान पर राजनेताओं की प्रतिमा लगाना कहां तक जायज है.

इस कारण शुरू हुआ विवाद

भोपाल के लिंक रोड नंबर एक पर क्रांतिकारी महापुरुष चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के स्थान पर पूर्व मुख्यमंत्री स्व अर्जुन सिंह की प्रतिमा लगा दी गई है, जिसे लेकर विवाद की स्थिति बन गई है. सवाल उठ रहे हैं कि जब चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा को यातायात व्यवस्था के नाम पर हटया गया था, तो अब कांग्रेस शासन में सिंह की प्रतिमा क्यों लगाई गई है.

मेयर भोपाल ने कमिश्नर पर लगाए ये आरोप

इस प्रतिमा को नगर निगम ने लगाया है. लिहाजा मेयर आलोक शर्मा ने कमिश्नर विजय दत्ता पर भी कांग्रेस के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है. वह उनकी शिकायत करेंगे. दरअसल, आनन फानन में लगाई गई इस प्रतिमा का अनावरण सीएम कमलनाथ को करना था, लेकिन उनके सारे दौरे निरस्त होने के कारण अनावरण की तारीख भी फिलहाल टाल दी गई है. वहीं विवाद की स्थिति बनने के बाद कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने अर्जुन सिंह की मूर्ति स्थापित नहीं की है. यह नगर निगम ने की है और भोपाल में बीजेपी की परिपद है. नगर निगम ने सरकार को सिर्फ निमंत्रण भेजा है. इसके पहले भी भाजपा के मेयर ने ही आजाद की प्रतिमा को शिफ्ट कराया था. इस मामले में मामले में अब भाजपा और कांग्रेस के नेता आमने-सामने आ चुके हैं।

न्यूज गैलरी



तीन डिग्री गिरने के बाद अब फिर तापमान के उठने की संभावना...

भोपाल/रायसेन । सर्दियों के दिनों की शुरुआत तकरीबन हो चुकी है,ऐसे में जहां हवाओं के कारण राजधानी में बीती तीन रातों से धीरे-धीरे गिर रहे पारे ने रविवार को ढाई डिग्री का गोता लगाया। वहीं प्रदेश के कुछ जिलों में कोहर के बीच तापमान में कमी आई है। वहीं सोमवार की दोपहर में तापमान में कुछ बढ़ोतरी महसूस की गई। जबकि इससे राजधानी भोपाल का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री से नीचे पहुंच गया। यह सीजन का सबसे कम तापमान रहा। वहीं रायसेन में रविवार को सुबह कोहरा छाया रहा जबकि दोपहर के समय जिला मुख्यालय पर आसमान पर हल्के भूरे रंग के बादल छाए रहे। ऐसे में रायसेन जिले में 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 2.2 डिग्री की गिरावट देखी गई। इससे लोगों को ठंड का अहसास हुआ। ठंड के संबंध में मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी हो रही है। भोपाल में शनिवार को न्यूनतम तापमान 19 डिग्री था, जो 2.6 डिग्री गिरावट के साथ रविवार को 16.8 डिग्री पर पहुंच गया। अभी ये सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक है। सुबह धुंध रही, जिससे दृश्यता दो से चार किमी दर्ज हुई। धूप खिली लेकिन दोपहर तीन बजे के बाद संद हवाओं के झोंकों आ गए। अधिकतम तापमान शनिवार की तुलना में एक डिग्री कम होकर 28.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं रायसेन में सुबह के समय ऐतिहासिक किला व सीतातलाई की पहाड़ी व कई हिस्सों में कोहरा छाया रहा। इसके बाद शनिवार को दोपहर के समय बादल छाए रहे। तापमान का पारा गिरने से शनिवार की शाम के समय लोगों को ठंड का अहसास हुआ। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएस तोमर के मुताबिक मौसम में बदलाव दिखने लगा है। संभावना है कि अगले सप्ताहभर तापमान में तेजी से गिरावट टंड बढ़ने लगेगी।

सिस्टम का असर हुआ कम

मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का प्रभाव अब कुछ कम हुआ है। उत्तर-पूर्वी हवाएं भी चल रही हैं। एक और विश्लेषण आ रहा है, इसके गुजरने के दो से तीन दिन बाद ही पता चल सकेगा कि सर्दी पर उसका क्या असर पड़ेगा।

ऐसे समझें आने वाले दिनों का मौसम...

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों तक पूरे मध्यप्रदेश के सभी जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा। वहीं राजधानी में अभी कुछ दिनों में ठंड बढ़ने की बहाय तापमान में कुछ बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। जानकारों की मानें तो 11 नवंबर को धुंध के बीच न्यूनतम तापमान 17 डिग्री के आसपास व अधिकतम तापमान 29 डिग्री के आसपास जा सकता है। जबकि इसके अगले ही दिन यानि 12 नवम्बर, मंगलवार को सुबह शाम की धुंध के बीच न्यूनतम तापमान के साथ साथ अधिकतम तापमान में भी करीब 1 डिग्री की बढ़ोतरी संभव है। वहीं 13 नवम्बर को भी मौसम मंगलवार यानि 12 नवम्बर 2019 के आसपास ही रहेगा। जिसके बाद से न्यूनतम तापमान में वृद्धि का दौर शुरू हो सकता है। यानि 14 नवम्बर व 15 नवंबर 2019 को भी सुबह शाम की धुंध के बीच न्यूनतम तापमान में लगातार 1-1 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। वहीं इसके बाद 16 व 17 नवंबर यानि शनिवार व रविवार को मौसम शुक्रवार यानि 15 नवम्बर जैसा ही रहेगा। इस दौरान वातावरण में सुबह और शाम के समय धुंध भी देखी जा सकेगी।

जानिये कब से ठंड पकड़ेगी जोर...

इस बार यानि वर्ष 2019 में जून से लेकर नवंबर तक बारिश का दौर चल रहा है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मध्यप्रदेश के कई जिलों में इसी सप्ताह से तो राजधानी भोपाल में 18-20 नवंबर से ठंड जोर पकड़ने लगेगी।

मार्च तक भी बनी रह सकती है ठंड

मौसम के बदलते मिजाज को देखते हुए जानकारों का ये भी मानना है कि इस बार ठंड ने अक्टूबर के बजाय नवंबर के दूसरे सप्ताह से असर दिखाना शुरू किया है। ऐसे में संभावना बन रही कि इस बार ठंड का दौर मार्च तक बना रह सकता है। इसका बड़ा कारण बारिश हो सकता है।

पटवारियों के बहाने से अटकते हैं जनता के काम, अब बहाने किए तो पड़ेगा भारी

भोपाल। जातिप्रमाण पत्र, नामांकन, सीमांकन, बंटान, अतिक्रमण की रिपोर्ट सहित अन्य राजस्व केषों के समाधान में तेजी लाने के लिए जिले में नए सिरों से राजस्व निरीक्षण मंडल और पटवारी हल्कों का गठन किया गया है। बदती जनसंख्या को देखते हुए आगामी कुछ सालों को ध्यान में रखते हुए जिले में 40 राजस्व निरीक्षक मंडल और 257 पटवारी हल्के बनाए गए हैं। इन हल्कों में तैनात पटवारी मशीन से सीमांकन करना जानते हैं। हर हल्के में पटवारी तैनात किए जाने से अब व्यस्त रहने का बहाना भी नहीं बना सकते। पहले एक पटवारी पर दो से तीन हल्कों का प्रभार था। इसका फायदा उठाकर जनता के काम को लटकाए रहते थे। पटवारियों के बहाने से अटकते हैं जनता के काम, अब बहाने किए तो पड़ेगा भारी।

संपादकीय

महाराष्ट्र में कागज की नांव

महाराष्ट्र में शिवसेना ने कागज की नांव चलाने का फैसला कर लिया है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मिलकर सरकार बनाएंगे जिस कांग्रेस बाहर से समर्थन देगी।
देखना दिलचस्प होगा कि यह कागज की नांव कितनी दूर और कितनी देर तक चल पाती है। भजपा सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद बगैर शिवसेना के समर्थन के सरकार नहीं बना पाई इस लिए उसमे विपक्ष में बैठने का फैसला लिया है।
महाराष्ट्र के घटनाक्रम से कर्नाटक की यादें ताजा हो गई है। वहां भी भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद बहुमत हासिल नहीं कर पाई थी। ऐसे में तीसरे नंबर की पार्टी जेडीएस ने कांग्रेस से गठबंधन कर सरकार बनाई थी लेकिन यह कागज की नांव जल्द ही डूब गई। अब वहां भाजपा की सरकार है।
महाराष्ट्र में भी कर्नाटक जैसी स्थिति बनी है। किसीभी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। भाजपा और शिवसेना गठबंधन के पक्ष में जनாदेश आया था लेकिन शिवसेना 50-50 के फार्मुले पर अड़ गई। भाजपा ने शिवसेना की मांग नहीं मानी नतीजतन शिवसेना ने उन पार्टीयों के साथ हाथ मिला लिया है जिनका वह अब तक प्रबल विरोध करती रही है। कहते हैं न कि मोहब्बत और अदवत ने सब कुछ जायज होता है। ठीक इसी तरह सीयासत में भी हर फैसला जायज माना जाता है।
कब राजनीतिक दुश्मन अपने मतभेद भुलाकर दोस्त बन जाएं और कब दोस्त दुश्मनों के साथ हाथ मिला इसका कोई ठिकाना नहीं है। सत्ता सुंदरी का सानिध्य पाने के लिए बेमेल गठबंधन भी बनते हैं और टूटते हैं। गठकांपा को उपमुख्यमंत्री पर दिया जा सकता है। मंत्रालयों का बंटवारा भी आसानी से हो जाएगा। किन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि दुधारी तलवार पर चलने वाली यह बेमेल सरकार कितनी लंबी सफर तय कर पाती है।

विचार

हमने बनाई मिसाल

कई शताब्दी पुराने रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देश ने जिस शान्तिपूर्ण और विवेकसम्मत अंदाज में ग्रहण किया है, उसे आने वाले वर्षों में एक मिसाल के रूप में याद किया जाएगा। कई शताब्दी पुराने रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देश ने जिस शान्तिपूर्ण और विवेकसम्मत अंदाज में ग्रहण किया है, उसे आने वाले वर्षों में एक मिसाल के रूप में याद किया जाएगा। शनिवार को फैसला आने से पहले सबकी सांसें थमी हुईं थीं। सवाल यह तो था ही कि फैसला क्या होगा, यह भी था कि समाज के अलग-अलग हिस्से उस पर कैसे रिएक्ट करेंगे। जब भी कोई विवाद एक हद से ज्यादा लंबा खिंच जाता है तो समय के साथ उसकी जटिलता बढ़ती चली जाती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की इस बेंच के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि समाज के गले में लंबे समय से पसें इस कांटे को किस तरह निकाला जाए कि वह कोई नया जखम पाप बगैर इससे मुक्त हो जाए। इसे कोर्ट की परिपक्वता कहेंगे कि पांचो जजों ने सर्वसम्मति से ऐसा फैसला दिया जिससे किसी भी पक्ष को सब कुछ भले न मिला हो, पर कोई भी पक्ष ऐसा नहीं रहा जिसे कुछ न मिला। सबसे बड़ी बात यह कि पीठ ने यह खास सावधानी बरती कि फैसले से कोई गलत प्रस्थापना पुष्ट न हो। इसीलिए विवादित भूमि मंदिर के लिए देते हुए भी कोर्ट ने साफ किया कि अतीत की गलतियों को वर्तमान में सुधारने की कोशिश उचित नहीं है। यह भी कि 1934, 1949 और 1992 में पूजास्थल के साथ हुई छेड़छाड़ गैरकानूनी थी। यह उन तत्वों को साफसंदेश था जो इस फैसले की मंदिर निर्माण के नाम पर की गई अपनी तमाम गतिविधियों के लिए सर्टिफिकेट के रूप में इस्तेमाल कर सकते थे। मुस्लिम पक्ष को मस्जिद बनाने के लिए पांच एकड़ जमीन देने का कोर्ट का आदेश भी बताता है कि भले विवादित भूमि पर उसका दावा स्वीकार न किया गया हो, लेकिन उसके दावे को अंजालत ने नजरअंदाज करने लायक नहीं माना। बहरहाल, इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है इस फैसले पर देशवासियों की प्रतिक्रिया।

टेक ज्ञान

जियो, एयरटेल और वोडाफोन के ‘सस्ते’ रिवार्ज प्लान
नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने अपने 149 रुपये वाले प्रीपेड प्लान में बदलाव किए हैं। जियो के इस प्लान में यूजर्स को अब 300 नॉन-जियो कॉलिंग मिनट मिलेंगे। लेकिन, इस प्लान की वैलिडिटी को 28 दिन से घटाकर 24 दिन कर दिया गया है। हालांकि, इस प्लान में पहले की तरह अनलिमिटेड जियो-टू-जियो कॉलिंग, डेली 1.5 तक़4डेटा और हर दिन 100 रूब्र भेजने की सुविधा मिलती रहेगी। इसके अलावा, प्लान में जियो के प्रीमियम ऐप्स का कॉम्प्लीमेंट्री सब्सक्रिप्शन भी मिलेगा। हमने रिलायंस जियो के इस प्लान की तुलना एयरटेल और वोडाफोन के इसी रेंज के प्लान से की है तो आइए जानते हैं कि किस प्लान में यूजर्स को क्या सहुूलियत मिलती है।

पाठकों की बात

खाली पन्नों सी

फ़िज़ूल खाली पन्नों सी है जिन्दगी कुछ सोच नया ,
इक पहचान रख भाँ की ममता लूट गयी सरहद पर फूल क्यूँ ? तस्वीर पर गुमान रख नाजुक फूलों से हैं ये सारे रिश्ते भारी भरकम न वो ,एहसान रख ओस की बूँदों सा है ये इश्क तेरा बरस जा अब ,यूँ न परेशान रख।

- **कल्पना पाण्डेय**

शिक्ष्त से महसूस

अब यह शिक्ष्त से महसूस होता है कि अपने हिस्से की खुशियों के लिए जीवन से कई बार लड़ झगड़कर भी अपना हिस्सा माँग ही लेना चाहिए क्योंकि यह जमाना वसूली का है,ज्यादा शराफ्त दिखाने पर तो जिंदगी भी अकड़ जाती है।

- **सीमा भाटिया**

.खास पत्नी.



अंश तेरा तुझसे मिलना चाहता हूँ तोड़ कर सब बंध जग उमुक्त उड़ना चाहता हूँ देह नश्वर है +तनुज+ तो राग और अनुराग कैसा चल मेरे अनुरागी ओ मन ले मुझे वैराग्य पथ पर।

सुनहरी रश्मियों का देखो हुआ प्रसार

चहुँ और सुनहरी रश्मियों का देखो हुआ प्रसार निकला तम को चीर कर सूरज भागा अंधकार...! चलो स्वागत करे बाहें फैला कर नई सुबह का भुला सारी कटुता, वैर भाव और मन के विकार...!!

रोज ...डूब जाने के लिए नहीं डूबता सूरज

रोज ...डूब जाने के लिए नहीं डूबता सूरज सूरज डूबता है रोज... फिर एक बार उभरने के लिए डूबता है...डूब जाने दो ढलती शामों से?...कहीं ज्यादा.. नयी सुबहो का उगना अचरजी उपहार है

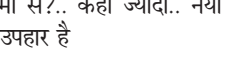
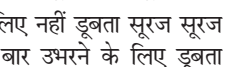
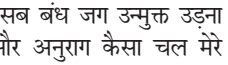
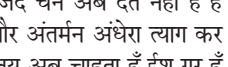
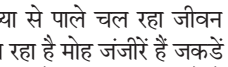
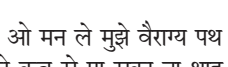
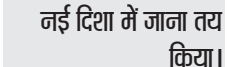
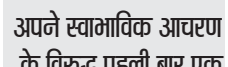
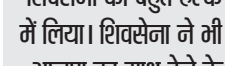
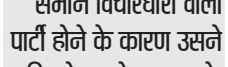
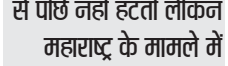
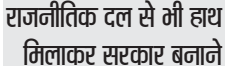
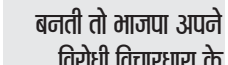
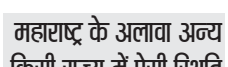


- **सिमा भाटिया**



योगेश कुमार गोयल

गुरू नानक जब 12 वर्ष के थे तो उनके पिता ने उन्हें 20 रुपये देते हुए अपना एक व्यापार शुरू करने को कहा ताकि वे व्यापार के विषय में कुछ जान सकें। व्यापार के लिए पिताजी द्वारा दिए गए वही 20 रुपये नानक ने गरीबों और संतों को खाना खिलाने में खर्च कर दिए। जब पिताजी ने उनके घर लौटने पर उनसे पूछा कि तुम्हारे व्यापार का क्या रहा तो नानक ने उत्तर दिया कि मैंने आपके दिए 20 रुपयों से सच्चा सौदा कर लिया। नानक ने जिस स्थान पर उन पैसों से गरीबों व संतों को खाना खिलाया था, वहीं पर ‘सच्चा सौदा’ नाम का गुरूद्वारा स्थित है।



550वीं गुरू नानक जयंती पर विशेष लेख

गुरू नानक की महिमा

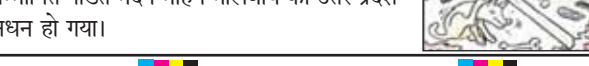
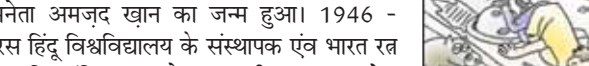
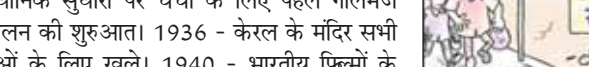
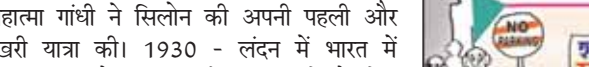
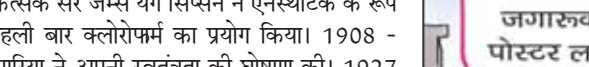
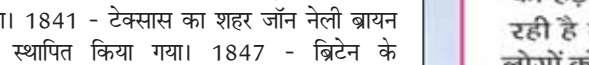
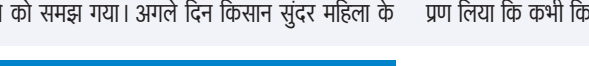
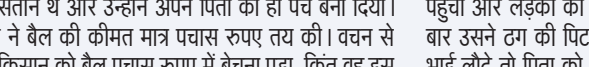
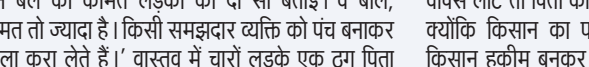
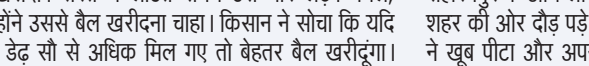
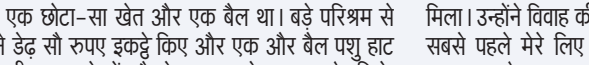
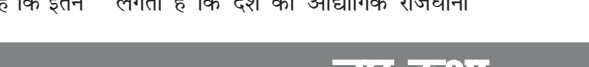
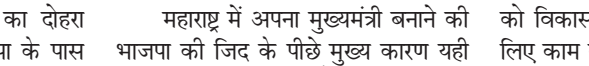
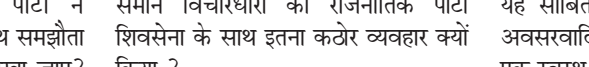
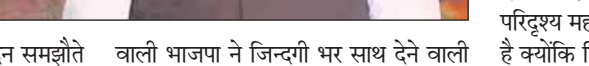
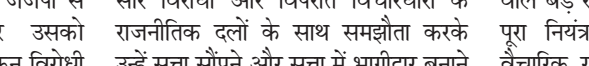
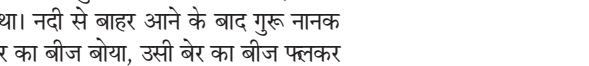
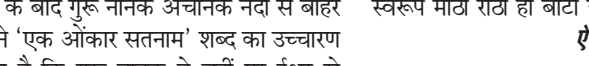
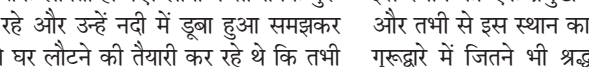
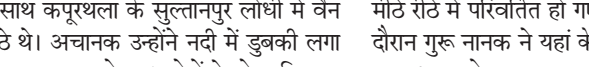
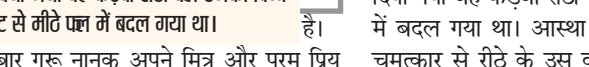
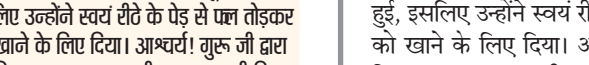
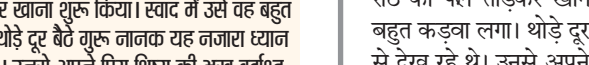
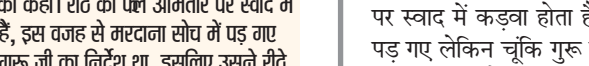
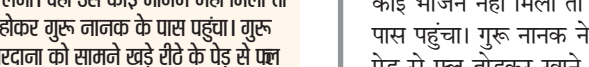
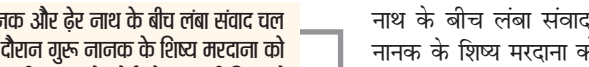
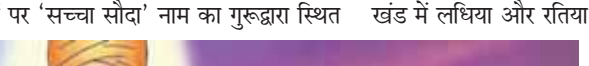
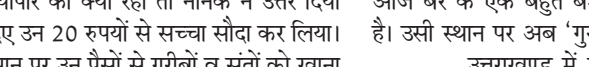
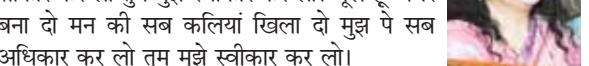
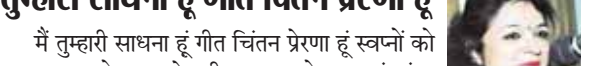
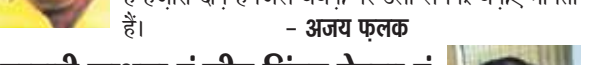
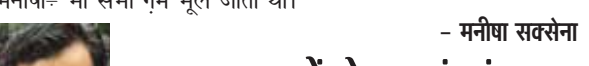
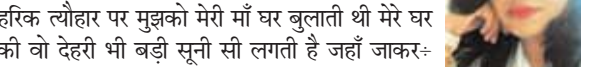
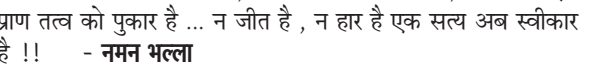
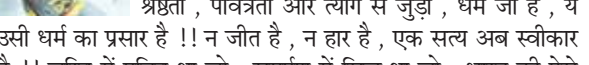
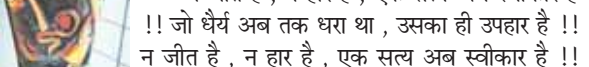
सिखों के प्रथम गुरू नानक देव से एक बार किसी ने पूछा कि गुरू के दर्शन करने से क्या लाभ होता है? गुरू नानक ने मुस्कराते हुए उत्तर दिया कि इसी रास्ते पर चले जाओ और रास्ते में तुम्हें सबसे पहले जो भी मिले, उससे अपने इस प्रश्न का जवाब पूछ लेना। गुरू नानक की आज्ञा पाकर वह व्यक्ति उस रास्ते पर आगे बढ़ लिया। थोड़ा आगे जाने पर उसे सबसे पहले एक कौआ नजर आया। गुरू नानक की आज्ञानुसार उसने कौवे से अपने प्रश्न का उत्तर पूछा लेकिन यह क्या? प्रश्न पूछते ही कौवे ने वहीं दम तोड़ दिया। यह दृश्य गुरू नानक दौड़ा-दौड़ा वापस गुरू नानक देव के पास पहुंचा और सारा हाल कह सुनाया। उसके बाद गुरू नानक ने कहा कि अमुक घर में एक गाय ने एक बछड़े को जन्म दिया है, तुम जाकर उससे अपने इस सवाल का जवाब पूछो। इस बार भी वह व्यक्ति जैसे ही वहां पहुंचा और बछड़े से अपना सवाल किया, वह भी तुरंत मर गया। घबराया हुआ वह व्यक्ति फिर से दौड़ा-दौड़ा गुरू नानक देव पहुंचा और घटना की जानकारी दी। अब की बार गुरू नानक जी ने उसे कहा कि तुम फलों घर में जाओ, जहां अभी-अभी एक बच्चे ने जन्म लिया है। तब उस व्यक्ति जी गुरू नानक से ही सवाल किया कि अगर मेरे सवाल पूछते ही वह नवजात शिशु भी मर गया तो? गुरू नानक ने कहा कि तुम वहां जाकर बच्चे से सवाल करके तो देखो, तुम्हारे सवाल का जवाब तुम्हें वहीं मिलेगा।’’ गुरू जी के आदेश पर वह व्यक्ति इस बार उनके बताए स्थान पर पहुंचा। वहां उस वक्त बच्चे के आसपास कोई नहीं था। अवसर पाकर उस व्यक्ति ने उससे अपना वही सवाल दोहराया कि बच्चे ने गुरू की महिमा का वर्णन करते हुए उत्तर दिया कि मैंने स्वयं तो कभी गुरू के दर्शन नहीं किए लेकिन तू जब पहली बार गुरू जी के दर्शन करके मेरे पास आया तो मुझे कौवे की योनि से मुक्ति मिली तथा बछड़े का जन्म मिला और जब तू दूसरी बार गुरू के दर्शन करके मेरे पास आया तो मुझे बछड़े से इंसान का जन्म मिला। इसलिए इतना बड़ा हो सकता है गुरू के दर्शन करने का फल, फिर चाहे गुरू के दर्शन आंतरिक हों या बाहरी। गुरू नानक जब 12 वर्ष के थे तो उनके पिता ने उन्हें 20 रुपये देते हुए अपना एक व्यापार शुरू करने को कहा ताकि वे व्यापार के विषय में कुछ जान सकें। व्यापार के लिए पिताजी द्वारा दिए गए वही 20 रुपये नानक ने गरीबों और संतों को खाना खिलाने में खर्च कर दिए। जब पिताजी ने उनके घर लौटने पर उनसे

जब गुरू नानक और ढेर नाथ के बीच लंबा संवाद चल रहा था, उसी दौरान गुरू नानक के शिष्य मरदाना को जोर की गूँथ लगी। वहां उसे कोई भोजन नहीं मिला तो वह निराश होकर गुरू नानक के पास पहुंचा। गुरू नानक ने मरदाना को सांगने खड़े रीठे के पेड़ से फल तोड़कर खाने को कहा। रीठे का फल आमतौर पर स्वाद में कड़वा होता है, इस वजह से मरदाना सोच में पड़ गए लेकिन चूँकि गुरू जी का निर्देश था, इसलिए उसने रीठे का फल तोड़कर खाना शुरू किया। स्वाद में उसे वह बहुत कड़वा लगा। थोड़े दूर बैठे गुरू नानक यह नजारा ध्यान से देख रहे थे। उनसे अपने प्रिय शिष्य की गूँथ बर्दाश्त नहीं हुई, इसलिए उन्होंने स्वयं रीठे के पेड़ से फल तोड़कर मरदाना को खाने के लिए दिया। आश्चर्य! गुरू जी द्वारा मरदाना को दिया गया वह कड़वा रीठ फल उनकी दिव्य दृष्टि से मीठी फल में बदल गया था।

एक बार गुरू नानक अपने मित्र और परम प्रिय शिष्य मरदाना के साथ कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी में वैन नदी के किनारे बैठे थे। अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए। लोगों ने सोचा कि गुरू नानक अब नहीं रहे और उन्हें नदी में डूबा हुआ समझकर सभी अपने-अपने घर लौटने की तैयारी कर रहे थे कि तभी तीन लंबे अंतराल के बाद गुरू नानक अचानक नदी से बाहर निकले और उन्होंने ‘एक ओंकार सतनाम’ शब्द का उच्चारण किया। कहा जाता है कि गुरू नानक ने वहीं पर ईश्वर से साक्षात्कार किया था। नदी से बाहर आने के बाद गुरू नानक ने वहीं पर एक बेर का बीज बोया, उसी बेर का बीज फलकर

भाजपा की हठधर्मिता ने खोला शिवसेना के लिए नया रास्ता

एक बड़े राज्य के शासन से भाजपा की विदाई हो गई। जिस दौर में गठबंधन के लिए भाजपा अछूत पार्टी मानी जाती थी उस दौर में शिवसेना पार्टी सबसे पहले सहयोगी दल के रूप में भाजपा के साथ खड़ी हुई। भाजपा और शिवसेना दोनों दलों का वैचारिक आधार हिंदुत्व ही था इसलिए दोनों में हुआ गठबंधन किसी भी लिहाज से अस्वाभाविक नहीं था लेकिन जैसे जैसे भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करती गई वैसे-वैसे उसने अपनी विचारधारा से समझौता करना शुरू कर दिया। ये वही भाजपा है जिसने अपने विरोधी विचारधारा की मायावती से 50-50 का समझौता करने में गुरेज नहीं किया, उसके बाद जम्मू कश्मीर में घोर विरोधी मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती की गोद में जाकर बैठ गई, उनको सत्ता की थाली सजाकर दी, इतना ही नहीं कर्नाटक में विरोधी विचारधारा के जनता दल सेकुंकर तक को समर्थन देकर कुमारस्वामी की सरकार बनवा दी और इसके बाद बिहार के नीतीश कुमार से कई सालों तक अपमानित होने के बाद भी उसके साथ लोकसभा 2018 में गठबंधन करने से



आज बेर के एक बहुत बड़े वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। उसी स्थान पर अब ‘गुरूद्वारा बेर साहिब’ स्थित है।

उत्तराखण्ड में चम्पावत जिले के पाटी विकास खंड में लंधिया और रतिया नदी के संगम पर स्थित है ‘रीठ

साहिब गुरूद्वारा’, जो चम्पावत से करीब 72 किलोमीटर दूर स्थित है। रीठ साहिब गुरूद्वारा को सिखों का प्रमुख तीर्थ स्थल माना जाता है, जहां हर साल मई-जून माह में जोड़ धेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस तीर्थ स्थल का यह नाम कैसे पड़ा, यह जानना भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल मान्यता है कि गुरू नानक देव सन् 1501 में एक बार अपने परम प्रिय शिष्य मरदाना के साथ यहां पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात सिद्ध मंडली के महंत गुरू गोरखनाथ के शिष्य देरनाथ से हुई। जब गुरू नानक और ढेर

नाथ के बीच लंबा संवाद चल रहा था, उसी दौरान गुरू नानक के शिष्य मरदाना को जोर की गूँथ लगी। वहां उसे कोई भोजन नहीं मिला तो वह निराश होकर गुरू नानक के पास पहुंचा। गुरू नानक ने मरदाना को सामने खड़े रीठे के पेड़ से फल तोड़कर खाने को कहा। रीठे का फल आमतौर पर स्वाद में कड़वा होता है, इस वजह से मरदाना सोच में पड़ गए लेकिन चूँकि गुरू जी का निर्देश था, इसलिए उसने रीठे का फल तोड़कर खाना शुरू किया। स्वाद में उसे वह बहुत कड़वा लगा। थोड़े दूर बैठे गुरू नानक यह नजारा ध्यान से देख रहे थे। उनसे अपने प्रिय शिष्य की गूँथ बर्दाश्त नहीं हुई, इसलिए उन्होंने स्वयं रीठे के पेड़ से फल तोड़कर मरदाना को खाने के लिए दिया। आश्चर्य! गुरू जी द्वारा मरदाना को दिया गया वह कड़वा रीठ फल उनकी दिव्य दृष्टि से मीठे फल में बदल गया था। आस्था के इस केन्द्र में गुरू नानक के चमत्कार से रीठे के उस वृक्ष पर लगे सभी फल कड़वे से मीठे रीठों में परिवर्तित हो गए। इस तरह अपने उस प्रवास के दौरान गुरू नानक ने यहां के कड़वे रीठे को भी मिठास देकर इस स्थान को एक प्रमुख तीर्थ स्थल में परिवर्तित कर दिया और तभी से इस स्थान का नाम ‘रीठ साहिब’ हो गया। इस गुरूद्वारे में जितने भी श्रद्धालु पहुंचते हैं, सभी को प्रसाद स्वरूप मीठ रीठ ही बांटा जाता है।

ऐसी थी गुरू नानक देव की महिमा!

लगु कथा

एक गरीब किसान के **किसान ने सुधारा उसे ठगने वाले परिवार को** वेश में चारों भाइयों से पास एक छोटा-सा खेत और एक बैल था। बड़े परिश्रम से उसने डेढ़ सौ रूपए इकट्ठे किए और एक और बैल पशु हाट से खरीदा। रास्ते में लौटते समय उसे चार लड़के मिले, जिन्होंने उससे बैल खरीदना चाहा। किसान ने सोचा कि यदि मुझे डेढ़ सौ से अधिक मिल गए तो बेहतर बैल खरीदूंगा। उसने बैल की कीमत लगकों को दो सौ बताई। वे बोले, ‘कीमत तो ज्यादा है। किसी समझदार व्यक्ति को पंच बनाकर फैसला करा लेते हैं।’ वास्तव में चारों लड़के एक टग पिता की संतान थे और उन्होंने अपने पिता को ही पंच बना दिया। पिता ने बैल की कीमत मात्र पचास रूपए तय की। वनन से बंधे किसान को बैल पचास रूपए में बेचना पड़ा, किंतु वह इस धोखे को समझ गया। अगले दिन किसान सुंदर महिला के

आज का इतिहास

नई दिल्ली।1781 - अंग्रेजो ने नागापट्टनम पर कब्जा किया। 1841 - टेक्सास का शहर जॉन नेली ब्रायन द्वारा स्थापित किया गया। 1847 - ब्रिटेन के चिकित्सक सर जेम्स यंग सिंपसन ने एनेस्थेटिक के रूप में पहली बार क्लोरोफॉर्म का प्रयोग किया। 1908 - बुल्गारिया ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। 1927 - महात्मा गांधी ने सिलोन की अपनी पहली और आखिरी यात्रा की। 1930 - लंदन में भारत में सैवैधानिक सुधारों पर चर्चा के लिए पहले गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत। 1936 - केरल के मंदिर सभी हिंदुओं के लिए खुले। 1940 - भारतीय फ़िल्मों के अभिनेता अमरजद खान का जन्म हुआ। 1946 - बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक एंव भारत रत्न से सम्मानित पंडित मदन मोहन म

आसानी से लोन मिल जाता है। यानी, हमारे पर्सनल फ़नैस के मामले में क्रेडिट स्कोर का बहुत महत्व है।

रिजर्व बैंक (अबोआई) ने हाल ही में बैंक लोन को जरूरी तौर पर गिपो रेड करने वाली बचत बैंचमार्क से लिंक करने का आदेश दिया है जिससे क्रेडिट स्कोर का महत्व बढ़ गया है क्योंकि अब लोन ग्रेडिंटे रेट को लोन के लिए अल्लाह करने वाले के क्रेडिट स्कोर के अनुसार कैलिब्रेट किया जा रहा है। ऐसे में भविष्य में अपनी लोन से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए क्रेडिट स्कोर के सर्वाधिक महत्वपूर्ण समाधान बेहद जरूरी है।

न्यूज गैलरी

सिस्टम एडमिनस्ट्रेटर के लिए 14 को हॉंगे वॉक इन इंटरव्यू

भोपाल। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) ने सिस्टम एडमिनस्ट्रेटर की वैकेंसी निकाली है। इस पर पद सविदा तौर पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए एसपीए में 14 नवंबर को वॉक इन इंटरव्यू आयोजित कर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए उम्मीदवार 12 नवंबर को शाम 5 बजे तक ईमेल recruitment@spabhopal.ac.in के माध्यम से एप्लाई करना होगा। नियुक्ति 6 महीने के लिए की जाएगी। प्रति माह 50 हजार रुपए का वेतन दिया जाएगा। एसपीए में रजिस्ट्रार और सिस्टम एडमिनस्ट्रेशन के पदों पर भी भर्ती होनी है। इसके लिए 23 अक्टूबर से आवेदन जमा हो रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन करने का अंतिम दिन सोमवार है। वहीं हार्ड कॉपी 18 नवंबर तक जमा करनी होगी। विभिन्न पदों पर होने वाली भर्ती से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट https://spab.ac.in/ से प्राप्त की जा सकती है।

इस अफसर के तबादले से नाराज़ गोपाल भार्गव ने कमलनाथ सरकार पर हमला बोला



भोपाल। नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने प्रदेश में अफसरों की स्थिति को लेकर कमलनाथ सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कमलनाथ सरकार में अधिकारियों की तुलना पशुओं से की है। गोपाल भार्गव की मानें तो मौजूदा सरकार में अधिकारी निरीह पशुओं की तरह कांग्रेस नेताओं की देहरी पर बांध गए हैं और कांग्रेस के छुट्टापैये नेता तक उन्हें धमका रहे हैं। बातचीत करते हुए कहा कि उनके पास रोजाना ऐसे दर्जनों अधिकारियों के फोन आते हैं, जो कांग्रेस नेताओं के धमकाने और प्रताड़ित करने की शिकायत करते हैं। हालांकि फोन करने वाले अधिकारी कौन हैं ये बताने से गोपाल भार्गव ने इनकार कर दिया। गोपाल भार्गव के मुताबिक आने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इन मुद्दों को वो जोरशोर से उठाएंगे।

रार की वजह है ये मामला

दतिया के भांडे से कांग्रेस विधायक रक्षा सिरौनिया के पति संतराम सिरौनिया का एसडीएम जेपी गुप्ता के साथ गिट्टी से भरी ट्रॉली जन्म जाने को लेकर विवाद हो गया था। ट्रैक्टर ट्रॉली जन्म करने से भड़के विधायक पति संतराम सिरौनिया एसडीएम के कार्यालय पहुंचे और वहां दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। इस दौरान विधायक पति ने एसडीएम के हाथ से मोबाइल तक छीन लिया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। बाद में विधायक पति ने इस मामले को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से लेकर आला अधिकारियों तक शिकायत की।

एसडीएम पर भारी पड़े विधायक पति

विधायक पति से विवाद के अगले ही दिन दतिया में कांग्रेस नेता लामबंद हो गए और जिला कांग्रेस कमेटी में एसडीएम के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। निंदा प्रस्ताव पारित होने के कुछ घंटों बाद ही भोपाल से एसडीएम के ट्रांसफर का आदेश भी जारी गया। जेपी गुप्ता को दतिया से हटाकर निवाड़ी जिले में एसडीएम नियुक्त किया गया। इस आदेश के बाद ही बीजेपी कांग्रेस सरकार पर निशाना साध रही है।

“शुद्ध के लिये युद्ध” अभियान का विस्तार 697 शहरों तक हो

मिलावटी सामग्री बेचने वालों के विरुद्ध ‘रासुका’ के अंतर्गत कार्यवाही हो,अर्थदण्ड की जगह सीधा लाइसेन्स निरस्त किया जावे: भगवानसिंह यादव

नवप्रदेश संवाददाता

ग्वालियर। पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस सहकारिता प्रकाश के अध्यक्ष भगवान सिंह यादव ने प्रदेशकी जनता को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिये शुरू किये गये “शुद्ध के लिये युद्ध” अभियान के सफल संचालन के लिये मुख्यमंत्री कमलनाथ को धन्यवाद देते हुए कुछ उपयोगी सुझाव भेजे हैं। उन्होंने कहा है कि अभियान पूरी तरह सफल बनाने के लिये जरूरी है कि इसका विस्तार तहसील और ब्लॉक स्तर के सभी 697 शहरों में किया जाये। यह इसलिये भी जरूरी है क्योंकि नागरिकों का पूरा समर्थन इस अभियान को मिल रहा है।

भगवान सिंह यादव ने कहा है कि सभी खाद्य इन्स्पेक्टरों का सेंपल लेने का कोटा चार से बढ़ाकर तीस सेंपल प्रति माह किया जाये। सभी छोटे शहरों में खाद्य पदार्थ बेचने वालों को लाइसेंस प्रति माह किया जाये। सभी छोटे शहरों में खाद्य पदार्थ बेचने वालों को लाइसेंस लेना अनिवार्य किया जाये। जो संस्थान मिलावटी सामग्री देते हुए पकड़े जायें उनके विरुद्ध रासुका के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए उनका रजिस्ट्रेशन



और लाइसेंस रद्द कर उन्हें ब्लैक लिस्टेड किया जाये। अभी मिलावटखोरों पर केवल जुर्माना लगाया जाता है। वे तत्काल जुर्माना भरकर फिर फैक्ट्री चालू कर उसी धंधे में लग जाते हैं। बड़े शहरों के अलावा छोटे-छोटे शहरों में अभियान चला कर खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 31 और 32 के अंतर्गत कार्यवाही करने पर शासन को दो सौ करोड़ रुपये नये लाइसेंस जारी करने और जुर्माने से मिलेंगे। जिन स्थानों पर अधिकारियों की लापरवाही और संरक्षण के चलते मिलावटखोरों और उनकी फैक्ट्रियों को पकड़ा गया है, उन अधिकारियों के विरुद्ध भी सख्त कार्यवाही करने से शुद्ध

के लिये युद्ध अभियान के प्रति जनता का विश्वास बढ़ेगा और अभियान की गति मिलेगी।

यादव ने मध्यप्रदेशउच्च न्यायालय की ग्वालियर खण्डपीठ द्वारा पारित आदेश के अनुरूप भी कार्यवाही करने का सुझाव दिया है। न्यायालय ने कहा है कि गांव से दूध लाकर बेचने वालों के दूध की शुद्धता की जांच के लिये सभी छोटे-बड़े शहरों की सीमा पर चैक प्वाइंट बनाये जायें जो 24 घंटे नियमित रूप से जांच करें। दूध और दूध से बने पदार्थों का सेंपल लेने के बाद समय सीमा में जांच कर चालान पेप किया जाये। केन में भर कर घर-घर दूध बेचने वाले दूधियों को लाइसेंस जारी किये जायें। उनका लाइसेंस हर माह रिन्यू किया जाये। दूध और दूध से बने पदार्थों में मिलावट रोकने के लिये केन्द्र और राज्य सरकार नीति बनायें।

भगवान सिंह यादव ने सुझाव में कहा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की वेबसाइट पर नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करते हैं। इन शिकायतों के निराकरण के लिये समय

सीमा तय की जाये। इन शिकायतों का निराकरण लगभग नगण्य है। शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी और ड्रग इन्स्पेक्टरों द्वारा किये गये निरीक्षणों की गहन समीक्षा की जाये। निरीक्षकों के पद बढ़ाये जायें। मिलावटखोरों पर कार्यवाही के लिये फास्ट ट्रेक कोर्ट की स्थापना शीघ्र की जाये। ग्वालियर, इन्दौर और जबलपुर में खाद्य प्रयोगशाला खोलने के मंत्रिमण्डल के निर्णय पर त्वरित कार्यवाही हो। नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने डिजिटल एप विकसित कर समय सीमा में निराकरण हो।

यादव ने सुझाव मंत्रिमंडल के सदस्यों, संभागीय आयुक्तों और सभी जिला शहरी और ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्षों को भी भेजकर आग्रह किया है वे अपने-अपने स्तर पर “शुद्ध के लिये युद्ध” अभियान में लोगों को जागरूक करें और सहयोग दें। उन्होंने कहा कि इन सुझावों को पूरी तरह अमल में लाकर ही हम सही मायमने में नागरिकों को खाद्य पदार्थों में मिलावट कर परोसे जा रहे धीमें जहर से मुक्ति दिला सकते हैं।

संबल योजना

बड़े घोटाले में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का, कमलनाथ सरकार का निर्णय स्वागत योग्य

सरकार के उक्त निर्णय से पिछले विधानसभा चुनावों के पहले कांग्रेस मीडिया विभाग के द्वारा लगाये गये सम्प्रमाण आरोपों की पुष्टि हुई: शोभा ओझा

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शोभा ओझा ने आज जारी एक वक्तव्य में कहा कि पिछली भाजपा सरकार द्वारा प्रारंभ की गई संबल योजना में हुए बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा, मय प्रमाणों के, कांग्रेस पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनावों के पहले किया था। उसी परिप्रेक्ष्य में अब कमलनाथ सरकार

ने, पिछली शिवराज सरकार पर लगाए गए कांग्रेस के मीडिया विभाग के सम्प्रमाण आरोपों की पुष्टि करते हुए उक्त योजना के लगभग 2 करोड़ लाभार्थियों में से 71 लाख अपात्रों के नाम काटने के साथ ही, घोटालेबाजों पर एफआईआर दर्ज कराने का जो निर्णय लिया है, वह स्वागत योग्य है। आज जारी अपने बयान में उक्त विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती ओझा ने आगे कहा कि पिछली शिवराज सरकार द्वारा जनहित के नाम पर प्रारंभ की गई संबल योजना का लाभ, वास्तविक पात्रों की अपेक्षा लाखों की संख्या में, उन चहेतों और भाजपा कार्यकर्ताओं को दे दिया गया, जो न केवल अपात्र थे, बल्कि उनमें से कई तो इंकम-टैक्स दाता भी थे।

मैनित रैगिंग

सीनियर्स शराब पिलाकर अश्लील गानों पर नाचने के लिए करते हैं मजबूर

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनित) में रैगिंग का मामला सामने आया है। इसमें पीडित छात्र का आरोप है कि उसे व उसके दोस्तों को सीनियर लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने यूजीसी एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि सीनियर ने उन्हें कैपस में पीछाकर पकड़ा और रैगिंग लेने लगे। वे थर्ड बटन को फालो करने को कहते हैं और हमें गाली देते हैं। जबरदस्ती शराब पीने के लिए मजबूर करते हैं, पैग बमवाते हैं। जबकि पीड़ित उनसे वहां से जाने के लिए भीख मांगते रहे। लेकिन, उन्होंने 1 घंटे तक रोके



रखा और कल फिर आने को कहा। इसके चलते पीडित छात्र ने मदद की गुहार लगाई है और बताया है कि उन्हें डर है कि यह घटना उनके साथ दोबारा हो सकती है। सूत्रों की मानें तो इस घटना में फाइनल ईयर स्टूडेंट के छात्र पूर्व छात्र भी शामिल हैं। पूर्व छात्र दीक्षांत समारोह में शामिल होने आए थे। दीक्षांत

समारोह 9 नवंबर को आयोजित किया गया। यह शिकायत भी इसी तारीख में की गई। इस बात को लेकर मैनित की एंटी रैगिंग कमेटी सोमवार से जांच शुरू करेगी। कमेटी चेयरमैन प्रो. आरएन यादव ने बताया कि शिकायत मिली है। इसकी जांच कर पता किया जाएगा। अभी शिकायत करने वाले छात्र का

भी पता नहीं चल रहा है। घटना का स्थान भी नहीं बताया है।

पीछ करके पकड़ लिया और थपड़ मारे

शिकायतकर्ता छात्र ने शिकायत में लिखा है कि सीनियर्स द्वारा गंभीर रूप से रैगिंग ली जा रही है। उनके साथ हुई यह घटना 8 नवंबर की है। नशे की हालत में पहले कैपस के अंदर जमकर चिप्पए और गाली दी। इस दौरान वे शराब और सिगरेट पी रहे थे। रैगिंग होने के डर से वे भागे तो उन्होंने पीछा कर पकड़ लिया और हमें थपड़ मारे। वे हमें एक अन्य स्थान पर ले गए वहां करीब 18 लोग थे।

24 घंटे में आनी चाहिए रिपोर्ट, लेकिन आ रही चार दिन बाद

भोपाल। डेंगू का संक्रमण पूरे शहर में फैला हुआ है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के स्पष्ट निर्देश हैं कि मरीजों की जांच रिपोर्ट 24 घंटे में उपलब्ध कराई जाए। लेकिन, जेपी अस्पताल में मरीजों को जांच रिपोर्ट के लिए चार दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। विदिशा निवासी कमलेश हाड़ा की सेहत खराब होने पर छह नवंबर की शाम परिजन उन्हें जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। मरीज की बेटी शर्मिष्ठा का कहना है कि सात नवंबर की सुबह डॉक्टरों ने डेंगू की जांच के लिए उनका ब्लड सैंपल लिया था। ऐसे में उनकी जांच रिपोर्ट आठ नवंबर को मिल जानी चाहिए थी। लेकिन, मरीज के परिजनों के बार-बार पैथोलॉजी में संपर्क करने के बाद भी उन्हें रिपोर्ट नहीं मिल पाई। बल्कि चौथे दिन 10 नवंबर को उन्हें रिपोर्ट मिल पाई। हालांकि, कमलेश की रिपोर्ट डेंगू निगेटिव आई है।

कार्यकर्ताओं को बनाया बीएलओ, विभाग ने लिखा- बंद हो जाएंगी आंगनवाड़ी

भोपाल । मध्यप्रदेश में बृथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के काम से शिक्षकों को छुट्टी मिली तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इस काम में लगा दिया गया है। इस पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने आपत्ति दर्ज कराई है। विभाग ने शासन को पत्र लिखकर बताया है कि कार्यकर्ता इसी कार्य में लगे रहे तो जनवरी और जुलाई में एक-एक माह प्रदेशभर में आंगनवाड़ियों में कामकाज ठप हो जाएगा। फिलहाल प्रदेश में 65 हजार से ज्यादा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बीएलओ की इयूटी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में 97 हजार से ज्यादा आंगनवाड़ी हैं, जिनमें



कार्यरत कार्यकर्ताओं को बीएलओ का जिम्मा सौंपा गया है। वे साल में दो बार नजदीकी बृथ पर बैठकर मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण करेंगी। शासन स्तर पर लिए गए इस निर्णय के बाद 65 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंप दी गई है और वे नगरीय निकाय एवं पंचायती राज

चुनाव को देखते हुए मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्य में जुट गई हैं। इससे महिला एवं बाल विकास विभाग के अफसर चिंतित हैं। चिंता की मुख्य वजह मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण और हर माह होने वाली बीएलओ की बैठकों को लेकर है। अफसरों का कहना है कि इससे आंगनवाड़ियों में कामकाज ठप होने के हालात बन जाएंगे, क्योंकि मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के समय कार्यकर्ता करीब एक माह आंगनवाड़ी केंद्र नहीं पहुंचेंगी और बीचबीच में होने वाली बीएलओ की बैठक में भी उनकी उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

मदद

स्वच्छ भारत मिशन प्रोजेक्ट में यूनीडो करेगा फाइनंस

ग्रीन हाउस इफेक्ट कम करने यूनीडो करेगा भोपाल की मदद

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में ग्रीन हाउस इफेक्ट को कम करने के लिए यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (यूनीडो) नगर निगम भोपाल को मदद करेगा। यूनीडो स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर में किसी ऐसे प्रोजेक्ट में मदद करेगा जिसमें पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली मीथेन जैसी गैसों का उत्सर्जन कम हो सके। यूनीडो पूरे प्रोजेक्ट का छठवां हिस्सा फाइनंस करेगा, शेष राशि नगर निगम को अपने संसाधनों



से जुटना होगी। पिछले दिनों यूनीडो, वर्ल्ड बैंक और यूएन हेबोटॉट की टीम

भोपाल आई थी। टीम ने नगर निगम के अफसरों से सस्टेनेबल सिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के संबंध में चर्चा की। अर्बन प्लानिंग, अर्बन फाइनेंस और अर्बन सेनीटेशन जैसे विषयों पर टीम ने निगम अफसरों को प्रशिक्षण दिया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे कार्यों में यूनीडो नगर निगम को सहयोग कर सकता है। मिशन के तहत चल रहे कार्यों में 100व कचरे का निष्पादन सुनिश्चित किया जाना है। इसीलिए सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग किया जा रहा है। गीले कचरे से कम्पोस्ट बनाया जा रहा है।

इसके लिए शहर में अब तक छह ट्रांसफर स्टेशन बनाए गए हैं, जबकि जरूरत 10 की है। आदमपुर छवनी में कचरे से बिजली का प्रोजेक्ट ठप होने के बाद नगर निगम यहां नई तकनीक और नई कंपनी की तलाश कर रहा है।

पीडब्ल्यूडी, सीपीए और नगर निगम मिलकर प्लानिंग करें

विशेषज्ञों ने निगम अफसरों से कहा कि शहर के डेवलपमेंट के संबंध में एकजाई प्लानिंग होना चाहिए। नगर निगम के साथ यहां डेवलपमेंट का काम

करने वाली पीडब्ल्यूडी, सीपीए और अन्य एजेंसियों से समन्वय करके प्लानिंग होना चाहिए। खास तौर से बड़े प्रोजेक्ट के लिए केपिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग की जाना चाहिए, ताकि कई वर्षों तक चलने वाले इन प्रोजेक्ट के लिए फंड मिलने में परेशानी न हो। इसके अलावा नगर निगम पीपीपी को बढ़ावा दे।कार्बन डाई ऑक्साइड, मीथेन और ओजोन जैसी गैस, वातावरण में मौजूद कुछ कण और सूर्य की किरणें मिलकर ऐसा आवरण बनाती हैं कि सूरज की गर्मी वायुमंडल के बाहर नहीं जा पाती।